भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 334 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 20 दिसम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

रोहिणी कोर्ट ब्लास्ट केस में गिरफ्तार डीआरडीओ साइंटिस्ट ने की खुदकुशी की कोशिश, शौचालय में निगल लिया हैंडवॉश

नई दिल्ली। दिल्ली की रोहिणी अदालत में हुए ब्लास्ट मामले में स्पेशल सेल के हत्थे चढ़े डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) के साइंटिस्ट भारत भूषण कटारिया ने पुलिस हिरासत में शौचालय में हैंडवाश निगलकर कथित रूप से खुदकुशी की कोशिश की। अधिकारियों के अनुसार आरोपी भरत भूषण कटारिया (47) का एम्स में इलाज चल रहा है और उनकी हालत पूरी तरह स्थिर है। वह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं। कटारिया को अपने पड़ोसी की जान लेने की मंशा से नौ दिसंबर को यहां रोहिणी अदालत के अंदर एक टिफिन में देशी बम कथित रूप से लगाने को लेकर गिरफ्तार किया गया था। उनके पड़ोसी ने उनके विरूद्ध कई मामले दर्ज करा रखे थे और उस दिन वह अदालत परिसर में मौजूद था। आरोपी से शुक्रवार को दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने पूछताछ की थी और उसी दिन बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के अनुसार तब से वह पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार शनिवार रात को शौचालय में कटारिया ने कथित रूप से तरल हैंडवाश निगल लिया और बाद में बेहोश पाये गये। उन्हें उल्टियां आने लगीं और बाद में होश आने पर उन्होंने पेटदर्द की शिकायत की जिसके बाद उन्हें बाबा साहब अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया और फिर वहां से उन्हें एम्स भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि जब पुलिसकर्मी अस्पताल में उनसे मिलने गये तो उन्होंने उनसे कहा कि उन्होंने कुछ नहीं निगला है। लेकिन जब हमने डॉक्टरों से बात की तब उन्होंने बताया कि उन्होंने हैंडवाश निगल लिया था। अधिकारी ने कहा कि उनका एम्स में इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति पूरी तरह स्थिर है। एक वरिष्ठ डॉक्टर कल उनकी जांच करेंगे और आशा है कि उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। उनसे शीघ्र ही पूछताछ की जाएगी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पहले से ही यह तैयारी कर रखी थी कि यदि पकड़े गये तो पूछताछ से कैसे बचना है।

योगी सरकार का बड़ा आदेश

छह महीने के लिए यूपी में लगाया हड़ताल पर प्रतिबंध

लखनऊ, गोरखपुर। योगी सरकार ने यूपी में छह माह के लिए हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया है। अपर मुख्य सचिव कार्मिक डा. देवेश कुमार चतुवेर्दी ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के राज्य कार्य-कलापों से संबंधित किसी लोक सेवा, निगमों और स्थानीय प्राधिकरणों में हड़ताल पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। इसके बाद भी हड़ताल करने वालों के खिलाफ विधिक व्यवस्था के तहत कार्रवाई की जाएगी। आपको बता दें इसी साल मई में यूपी सरकार ने छह महीने के लिए हड़ताल पर प्रतिबंध लगाया था। उस दौरान कोरोना संकट जारी था। सीएम योगी ने कोविड की समस्याओं को देखते हुए एम्सा एक्ट लागू करके हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया था। योगी सरकार के इस फैसले के बाद लोक सेवाएं, प्राधिकरण, निगम समेत सभी सरकार विभागों में काम कर रहे

कर्मचारियों की ओर से समय-समय पर होने वाली हड़ताल पर रोक लगा दी गई थी। आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनयिम 1966 के तहत यूपी सरकार की ओर से लागू किए गए एस्मा एक्ट को राज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद लागू किया गया था। एस्मा एक्ट प्रदर्शन और हड़ताल करने वालों के लिए बनाया है। इसके लागू होने के बाद प्रदेश में कहीं भी प्रदर्शन या हड़ताल पूरी तरह बैन कर दिए जाते हैं। इस एक्ट को पिछले साल यूपी सरकार ने लागू किया था, जिसे नवंबर पिछले साल ही नवंबर में छह महीने के लिए आगे बढ़ाया गया था। एस्मा एक्ट लगने के बाद भी अगर कोई कर्मचारी हड़ताल या प्रदर्शन करते पाया जाता है तो हड़ताल करने वालों को एक्ट का उल्लंघन के आरोप सरकार की ओर से बिना वारंट के गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई की जाती है।

बेअदबी की कोशिश पर नवजोत सिंह सिद्धू बोले- दोषियों को फांसी पर लटका देना चाहिए

चंडीगढ़। पंजाब के मलेरकोटला में एक रैली को संबोधित करते हुए राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने बेअदबी करने वालों को फांसी की सजा देने की वकालत की है। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की कोशिश की घटना पर सिद्धू ने कहा कि कुछ कट्टरपंथी ताकतें पंजाब में शांति भंग करने की कोशिश कर रही हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि हमें एकता की आवाज स्थापित करने की जरूरत है। कट्टरपंथी ताकतें हमारी एकता को भंग कर रही हैं। हालांकि, जब भी देश भर में एक धर्म को ऊपर और दूसरे को नीचा दिखाने का प्रयास किया जाता है, तो पंजाब हमेशा इसके खिलाफ खड़ा होता है। पंजाब में सभी लोग समान हैं। सिद्धू ने कहा कि अगर बेअदबी की कोई घटना होती है, चाहे वह गुरु ग्रंथ साहिब की हो, गीता की हो या कुरान की तो ऐसे दोषियों को फांसी दी जानी चाहिए।

नवजोत सिंह सिद्धू ने आगे कहा कि हिंदुओं, सिखों और मुसलमानों को ऐसी ताकतों को हराने के लिए एकता दिखानी चाहिए। सिद्धू के भाषण के शुरू होने से पहले जेडपीएससी के सदस्यों और विरोध कर रहे शिक्षकों ने नारेबाजी शुरू कर दी, लेकिन पुलिस ने उन्हें हटा दिया। ये लोग अनुसूचित जाति समुदाय के लिए आरक्षित भूमि और नौकरियों की मांग कर रहे थे।

यहां तक कि आंगनवाड़ी कार्यकताओं, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकताओं और अन्य संविदा कर्मियों ने भी परमानेंट करने और अन्य मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर कार्यक्रम स्थल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि शनिवार को गोल्डन टेंपल में एक शख्स की ओर से गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की कोशिश की गई। हालांकि, समय रहते उसे पकड़ लिया गया और फिर भीड़ ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी।

कश्मीर में निशाने पर खाकी: पुलवामा में फिर पुलिसकर्मी को आतंकियों ने मारी गोली

जम्मू। जम्मू कश्मीर में खाकी लगातार आतंकियों के निशाने पर है। रविवार शाम आतंकियों के हमले में गोली लगने से एक पुलिस जवान घायल हो गया यह आतंकी हमला पुलवामा के बूंदजू में हुआ है। इस जवान को बाद में स्थानीय अस्पताल में शिफ्ट किया गया है और उसका इलाज किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक यह हमला शाम 7 बजकर 10 मिनट पर हुआ। हमले के शिकार पुलिस जवान का नाम मुश्ताक अहमद वागवे है और जम्मू कश्मीर पुलिस में फॉलोवर के पद पर तैनात है। यह हमला उस वक्त किया गया जब वह बुंदजू में अपने आवास से बाहर निकल रहे थे। अधिकारी ने बताया हमले में पुलिस जवान घायल हुआ है। उसे बोन एंड ज्वॉइंट हॉस्पिटल में इलाज के लिए ले जाया गया है। गौरतलब है बीते कुछ दिनों में जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले की घटनाओं में अचानक से इजाफा हुआ है। बीते दिनों श्रीनगर के पास पुलिस बस को आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। इस हमले में तीन सशस्त्र पुलिसकर्मियों की जान चली गई थी वहीं 11 अन्य घायल हो गए थे। यह घटना जेवान इलाके में हुई थी, जहां अलग-अलग सुरक्षा बलों के कई कैंप लगे हुए हैं।

निशाने पर नेहरू पीएम मोदी ने गोवा में कहा- सरदार पटेल जीवित रहते तो...

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि यदि देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल कुछ और समय तक जीवित रहते तो गोवा पुर्तगाली शासन से काफी पहले मुक्त हो गया होता। माना जा रहा है कि गोवा की मुक्ति में देरी के लिए पीएम मोदी का निशाना पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू की ओर था।

मोदी और उनकी पार्टी बीजेपी कश्मीर समस्या के लिए भी नेहरू को जिम्मेदार ठहराते हुए कह चुके हैं कि यदि सरदार पटेल को इससे निपटने दिया गया होता बेहतर होता। पीएम मोदी गोवा मुक्ति दिवस पर पणजी में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। हर साल 19 दिसंबर को गोवा मुक्ति दिवस मनाया जाता है। आज ही के दिन 1961 में भारतीय सैनिकों ने इसे पुर्तगाली

शासन से मुक्त कराया था।

पीएम मोदी ने कहा, यदि सरदार पटेल कुछ और समय तक जीवित रहे होते तो गोवा पहले मुक्त हो गया होता। नेहरू कैबिनेट में उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री रहे पटेल की मृत्यु 15 दिसंबर 1950 को हो गई थी। उन्हें महाराष्ट्र के मराठवाड़ा को निजाम शासन से मुक्ति दिलाने का श्रेय दिया जाता है। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता सेनानियों की तारीफ (गोवा के बाहरी सहित) की जोकि राज्य की आजादी के लिए लड़े। मोदी ने उन स्वतंत्रता सेनानियों की सराहना की, जिन्होंने राज्य की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी, जिसमें गोवा के बाहर के लोग भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि जब भारत को आजादी मिली, तब भी उन्होंने (स्वतंत्रता सेनानियों) गोवा को आजाद कराने की लड़ाई जारी रखी। मोदी ने कहा, उन्होंने (स्वतंत्रता सेनानियों ने) सुनिश्चित किया कि भारत की आजादी के बाद गोवा को आजाद कराने का संघर्ष रुके नहीं। मोदी ने गोवा सरकार को सुशासन के विभिन्न मानकों में शीर्ष पर रहने के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य ने प्रति व्यक्ति आय, स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय की सुविधा, हर घर में नल का पानी, घर-घर जाकर कचरा एकत्रित करना और खाद्य सुरक्षा जैसे मानकों में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

मोदी ने गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मनोहर परिंकर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य की क्षमता को समझा और लोगों के कल्याण के लिए इसका पोषण किया। कार्यक्रम के दौरान, मोदी ने गोवा को आजाद कराने के लिए भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन विजय के स्वतंत्रता सेनानियों और भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। मोदी ने कहा कि जब देश के एक बड़े हिस्से पर मुगलों का शासन था तब गोवा पुर्तगाल के शासन में आया लेकिन सदियों बाद न तो गोवा अपनी भारतीयता भूला और न ही भारत गोवा को भूला। गोवा की पुर्तगाली शासन से मुक्ति के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में हिस्सा लेने के लिए आज अपराह्न में यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने मीरामर में एक फ्लाई पास्ट और सेल परेड भी देखी।

पंजाब के मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने सिद्धू को बताया भाड़े का व्यक्ति, कहा- मैं तो जन्मजात कांग्रेसी हूं

चडीगढ़। पंजाब के मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने रविवार को नवजोत सिंह सिद्धू पर हमला बोलते हुए उन्हें राजनीतिक भाड़े का व्यक्ति कहा और आरोप लगाया कि उन्होंने पार्टी को विभाजित किया है। मंत्री ने सिद्धू पर सच्चे और पारंपरिक कांग्रेसियों की वफादारी पर सवाल उठाने का भी आरोप लगाया और कहा कि वह सिर्फ मुख्यमंत्री बनने के लिए पार्टी में शामिल हुए। मंत्री ने खुद को जन्मजात कांग्रेसी बताते हुए कहा, आप एक भाड़े के व्यक्ति की तरह हैं, जो सिर्फ मुख्यमंत्री बनने के एकमात्र उद्देश्य से पार्टी में शामिल हुए हैं, जबकि मैं अपने जन्म से ही पार्टी में रहा हूं। 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़कर सिद्धू कांग्रेस में शामिल हो गए थे। मंत्री ने कहा कि सिद्धू सिर्फ एक राजनीतिक भाड़े के व्यक्ति हैं जिनकी न तो कोई विचारधारा है और नहीं कोई सिद्धांत है।

उन्होंने कहा, यह विडंबना है कि कोई व्यक्ति जो मूल रूप से एक राजनीतिक दल से है और जिसने पार्टी में पांच साल भी नहीं बिताए हैं, वह हम जैसे लोगों को उपदेश दे रहा है, जिन्होंने पार्टी की सेवा में अपना पूरा जीवन बिताया है। राणा ने कहा कि सिद्धू के व्यवहार को ध्यान में रखते हुए, किसी को भी यकीन नहीं है कि वह कांग्रेस में रहेंगे या विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी छोड़ देंगे।

राणा ने कहा, आप खुले तौर पर हमारे मुख्यमंत्री की आलोचना कर रहे हैं क्योंकि आप जनता के बीच उनकी लोकप्रियता को लेकर ईर्ष्या और असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। राणा ने कहा, एक पार्टी अध्यक्ष के रूप में, आपकी मुख्य जिम्मेदारी पार्टी को एकजुट रखने की है, लेकिन आपने पार्टी आलाकमान की ओर से गठित अभियान समिति, घोषणापत्र समिति और स्क्रीनिंग कमेटी में दरार पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

सीएम योगी 25 दिसंबर को एक लाख युवाओं को देंगे मुफ्त टैबलेट-मोबाइल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 दिसंबर को लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी इकाना स्टेडियम में एक लाख युवाओं को फ्री टैबलेट व मोबाइल सौंपेंगे। इसमें राज्य के हर जिले से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक करोड़ युवाओं को फ्री मोबाइल और टैबलेट देने की घोषणा की है। जिसके तहत पहले चरण में 25 दिसंबर को 60 हजार मोबाइल और 40 हजार टैबलेट का वितरण होगा। देश के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है कि इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को फ्री मोबाइल और टैबलेट दिया जा रहा है। पहले चरण में अंतिम वर्ष में पढ़ाई कर रहे एमए, बीए, बीएससी, आईटीआई, एम बीबीएस, एमडी, बीटेक, एमटेक, पीएचडी एमएसएमई और स्किल डेवलपमेंट आदि के छात्रों को प्राथमिकता मिलेगी। डिजी शक्ति पोर्टल पर 38 लाख से अधिक युवाओं का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अभी भी छात्रों का रजिस्ट्रेशन हो रहा है।

भावुक होकर बोले कर्नाटक के सीएम बोम्मई-

सत्ता और पद स्थायी नहीं, मुख्यमंत्री बदलने जाने की लगने लगीं अटकलें

हावेरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने हावेरी जिले में अपने निर्वाचन क्षेत्र शिग्गांव के लोगों को भावुक रूप से संबोधित करते हुए कहा है कि पद और रूतबा समेत इस दुनिया में कुछ भी स्थायी नहीं है। इस बयान से उनके पद से हटने की संभावना को लेकर अटकलें लगने लगी हैं। उन्होंने कहा, इस दुनिया में कुछ भी स्थायी नहीं है। यह जीवन अपने आप में ही हमेशा के लिए नहीं है। हम नहीं जानते हैं कि हम ऐसी स्थिति में यहां कब तक रहेंगे, ये पद और रुतबा हमेशा के लिए नहीं है। मैं हर पल इस तथ्य से अवगत हूं। अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए बोम्मई ने कहा कि वह उनके लिए मुख्यमंत्री

नहीं, बल्कि बसवराज हैं। वह बेलगावी जिले के किट्टूर में 19 वीं सदी की किट्टूर रानी महारानी चेनम्मा की प्रतिमा का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। रानी चेनम्मा ने ब्रिटिशों के विरूद्ध लड़ाई लड़ी थी। बोम्मई ने कहा, मैं हमेशा कहता रहा हूं कि इस स्थान (शिग्गांव) के बाहर मैं अतीत में गृहमंत्री और सिंचाई मंत्री था, लेकिन जब मैं एक बार यहां आ गया तो मैं आप सभी के लिए बस बसवराज रहा। उन्होंने कहा, आज, बतौर मुख्यमंत्री मैं कह रहा हूं कि जब मैं शिग्गांव आ गया, तब भले ही बाहर मैं मुख्यमंत्री रहूं, लेकिन आपके बीच मैं वहीं बसवराज हूं, क्योंकि बसवराज नाम स्थायी है, पद स्थायी नहीं हैं। दरअसल कुछ वर्गों में ऐसी अटकलें हैं कि बोम्मई को पद से हटाया जा सकता है। मुख्यमंत्री कथित रूप से घुटने से संबंधित समस्या से जूझ रहे हैं और उनका विदेश में उपचार हो सकता है, लेकिन इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। दो बार भावुक होते हुए बोम्मई ने याद किया कि जब भी वह बसवराज के रूप में अपने निर्वाचन क्षेत्र में आते हैं तो उन्हें कैसे स्नेह से रोट्टी (ज्वार की रोटी) और नवाने (बाजरे का एक व्यंजन) खाने को परोसा जाता है।

खबर संक्षेप

प्रत्येक माह के 20 तारीख को अब रहेगी जसरा बाजार की मासिक बंदी

जसरा। लॉकडाउन के बाद जसरा बाजार की मासिक बंदी 20 तारीख को लागू किए जाने पर व्यापार मंडल और व्यापारियों के बीच बनी सहमति। जसरा बाजार में लॉकडाउन के पहले हर 15 तारीख को व्यापार मंडल और युवा व्यापार एकता समिति की तरफ से मासिक बंदी की आयोजन किया जाता था । लॉकडाउन हटने के बाद जसरा बाजार व्यापार मंडल तथा युवा व्यापार एकता समिति ने संयुक्त बैठक करके मासिक बंदी की तारीख 20 निर्धारित कर दिया गया। जिसके लिए व्यापार मंडल के सदस्य व्यापारियों से मिलकर के मासिक बंदी को सफल बनाने की अपील किया है। बैठक में मुख्य रूप से रामबाबू केसरवानी, दीप चंद गुप्ता, अश्वनी केसरवानी, प्रमोद कुमार डंडा, आकाश केसरवानी, जीतू मोबाइल, रमेश केसरवानी, अमित कुमार, जय प्रकाश महाजन सहित कई दर्जन लोग उपस्थित रहे।

टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के लिए आदेवन 30 तक

प्रतापपुर। समाज कल्याण सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में टैलेंट सर्च प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।संस्था के अध्यक्ष बृजेश मिश्रा ने बताया इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक संस्थान से फार्म प्राप्त कर 30 दिसंबर तक आवेदन जमा कर सकते है।प्रतियोगिता अ और ब दो ग्रुप में होगी।ग्रुप अ में कक्षा,8,9,10 के छात्र-छात्रायें भाग ले सकते वही ग्रुप ब में कक्षा,10,11,12 के छात्र-छात्रायें भाग ले सकते है।

क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 26 से सराय हरिराम गांव में

प्रतापपुर। विकास खण्ड क्षेत्र के सराय हरीराम गाँव मे एस.एच.आर क्रिकेट क्लब सराय हरिराम के तत्वाधान में उग्रसेनपुर-वरुणा मार्ग के समीप स्टेडियम में प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा।जिसका शुभारंभ 26 दिसम्बर किया जायेगा।उक्त जानकारी पूर्व ग्राम प्रधान सराय हरीराम अजय यादव के भतीजे आशीष यादव ने दी है।

गोविंदपुर में लापरवाही की भेंट चढ़ गई मजदूर की अबोध बच्ची

गाड़ी बैक करते समय हुआ हादसा, अपार्टमेंट के सामने धूप में खेल रही थी बच्ची

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गोविंदपुर स्थित पीडीए के निमार्णाधीन अपार्टमेंट में काम कर रहे एक मजदूर की इकलौती 3 साल की बच्ची को गाड़ी बैक करने के दौरान कुचल दिया। बताया जा रहा है कि चालक नशे की हालत में था। बच्ची वहां खेल रही थी, तभी उसने बैक करते समय कुचल दिया।

इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मजदूरों का गुस्सा देखकर चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मासूम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात है। मजदूरों का कहना है कि जब तक चालक गिरफ्तार नहीं होगा काम नहीं करेंगे।

हादसे के बाद पहुंची पुलिस व लोगों की जमा भीड़

हादसे के बाद मौके पर मृतक बच्ची के रोते बिलखते परिजन

पिता किशन बोले, नशे की हालत में था चालक

सीतापुर के रहने वाले मृतक गौरी के पिता किशन ने बताया कि वे पिछले काफी सालों से यहां काम कर रहे है। दोपहर में उनकी बच्ची धूप में प्रतिदिन की तरह खेल रही थी तभी नशे में धुत चालक ने गाड़ी को बैक करते वक्त बच्ची को कुचल दिया। इससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

शाम होते ही बन जाता है दारू का अड्डा

प्रत्यक्षदर्शी व अपार्टमेंट के पास रहने वाले विशाल श्रीवास्तव का कहना है कि अपार्टमेंट के आस-पास शाम होते ही दारू का अड्डा बन जाता है। शराब पीनेवाले झगड़ा-झंझट करते रहते हैं। इसके अलावा कई तरह के असामाजिक तत्व भी वहां मौजूद होते हैं। यहां लगने वाले रोजाना के जाम में दुर्घटना भी आम बात है।

चालक फरार, लिखा जा रहा मुकदमा

शिवकुटी थाना इंस्पेक्टर मनीष कुमार त्रिपाठी का इस बावत कहना है कि चालक मौके से भाग गया है। उसके बारे में हर तरह से जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है।

समाजवादियों ने बैठक कर बनाई रणनीति

अखंड भारत संदेश

समाजवादियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर झंडा लगाओ अभियान को सफल बनाने के लिए हुई बैठक

कोरांव। समाजवादी पार्टी कार्यालय कोरांव में समाजवादियों ने बैठक कर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान एवं जिला अध्यक्ष योगेश यादव निर्देश पर झंडा लगाओ अभियान को सफल बनाने के लिए बैठक आहूत कर गांव गांव गली गली झंडा लगाने की रणनीति बनाई गई जिसमें कोरांव विधानसभा के भावी प्रत्याशी ओम सहाय ने हजारों समाजवादी झंडा संगठन को देकर आह्वान किया कि गांव गांव घर घर जाकर झंडा लगाने का काम करिए अगर झंडे की जितनी भी जरूरत होगी और मैं विधानसभा को समाजवादी झंडा से पाट दूंगा वही चर्चीत किसान नेता जिला सचिव समाजवादी पार्टी राजेश पांडेय ने कार्यकताओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के विचारों तथा राज्य सभा सांसद कूवर रेवती रमण सिंह के संघर्षों को जनता तक पहुंचा कर 2022 में समाजवादी सरकार बनाने का निवेदन करना है हम संगठन के सिपाही हैं हमारी नैतिक जिम्मेदारी है शीर्ष नेतृत्व की आवाज जनता तक पहुंचाई जाए कोरांव विधानसभा प्रभारी जिला पंचायत सदस्य सौंमदत्त सिंह पटेल ने कार्यकताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आज पूरा क्षेत्र समाजवादी पार्टी ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है उनके पास पहुंचना संगठन का प्रथम कर्तव्य है बैठक में प्रमुख रूप से विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा जिला महासचिव प्रबुद्ध सभा आशीष मिश्रा प्रधान संघ अध्यक्ष रामानुज यादव ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश पटेल नगर अध्यक्ष मेहताब खान साफत अली नौशाद अंसारी पवन सिंघाल प्रशांत सिंह पटेल अशोक विद्यार्थी पवन सोनकर हरि प्रसाद पाल दीपक पटेल यादवेंद्र अहीर हारुन रवि तिवारी के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उत्साहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

झण्डा लगाओ अभियान की रणनीति बनाते समाजवादी कार्यकर्ता

दो दिवसीय योग कार्यशाला का हुआ आयोजन

सहसों। मनुष्य शरीर को स्वस्थ एवं स्वास्थ्य के लिहाज से आरड्डडीड्ड सिंह महाविद्यालय बसमहुआ सहसों में दो दिवसीय स्वास्थ्य एवं योग कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें योग के विशेषज्ञ डाड्ड प्रशांत तिवारी के द्वारा योगा के बारे में बताया गया और कहा की योग विस्मरण में दफन एक प्राचीन मिथक नहीं है यह वर्तमान की सबसे बहुमूल्य विरासत है। यह आज की आवश्यकता है और कल की संस्कृति है योगाभ्यास शुरू करने से सही मानसिक स्थिति हमेशा मन को शांति पूर्ण अवस्था में रखकर किए जाने चाहिए शांति और स्थिरता के विचार के साथ अपने मन को एकाग्र करें। और अपने विचारों को बाहरी दुनिया से दूर कर स्वयं पर केंद्रित करें सुनिश्चित करें कि आप इतने थके ना हो कि आसन पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हों अगर थकान ज्यादा हो तो केवल रिलैक्स करने वाले आसन ही करें। इस अवसर पर आरडी सिंह महाविद्यालय के हंसमुख अध्यापक विजय भान सिंह पटेल ने योगा की शुरूआत करने के लिए टिप्स और सुझाव दिया और अपने शब्दों में कहा कि आप योगाभ्यास को धैर्य और दृढ़ता के साथ करें अगर आपके शरीर में लचीलापन कम है तो आपको शुरूआत में अधिकतर आसन करने में कठिनाई हो सकती है अगर आप पहले पहले आसन ठीक से नहीं कर पा रहे हैं तो चिंता ना करें सभी आसान दोहराव के साथ आसान हो जाएंगे। अपने शरीर के साथ जबरदस्ती बिल्कुल ना करें अगर आप योगाभ्यास जीवन में पहली बार शुरू कर रहे हैं या योग से ज्यादा परिचित नहीं है तो इन बातों खास ध्यान रखना होगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर गौरव वर्मा ने योग करने के सही समय के बारे में बताया काकी सुबह सूर्योदय से पहले 1 से 2 घंटे योग के लिए सबसे अच्छा समय है अगर सुबह आपके लिए मुमकिन ना हो तो सूर्यास्त के समय भी कर सकते हैं इसके अलावा इन बातों का भी खास ध्यान रखें अगर दिन का कोई समय योग के लिए निर्धारित करें तो यह उत्तम होगा सब आसन किसी योगा मैट या दरी बिछाकर ही करें। बेहतर होगा आप लोग किसी खुली जगह जैसे पार्क में कर सकते हैं या घर पर भी बस इतना ध्यान रहे की जगह ऐसी हो जहां आप खुलकर सांस ले सके। योगा के समापन के बाद आरड्डडीड्ड सिंह महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं के चेहरे पे हंसी की किलकारियां गूंज उठी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक विपेंद्र सिंह ब्लाक प्रमुख फूलपुर, अजय लाल सिंह, अमन सिंह, राजेंद्र यादव, यशवंत सिंह, वीरेंद्र सिंह, अन्नपूर्णा सिंह, रामविलास सिंह, संजय सिंह, आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में चला सफाई अभियान

नैनी। क्षेत्र के प्राचीन श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर का दर्शन करने के लिए श्रद्धालु दूर-दराज से आते हैं। मान्यता है कि श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर सच्चे मन से जो भी व्यक्ति प्रार्थना करते हैं उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। हर कोई व्यक्ति मंदिर में पहुंचते हैं तो वह अपने प्रकार से भोलेनाथ बाबा की सेवा करने में जुट जाते हैं। इसी कड़ी में सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के पदाधिकारी व कार्यकर्ता आए दिन मंदिर प्रांगण में पहुंचते हैं और सफाई कार्य को पूर्ण करते हैं। साथ ही आने वाले श्रद्धालुओं को भी वह मंदिर प्रांगण व गंगा तटों के समीप गंदगी न फैलाने के लिए जागरूक भी करते हैं। उक्त संस्था की ओर से नैनी के अलावा प्रयागराज जिले के अंतर्गत प्रमुख मंदिरों में भी जाते हैं और सफाई कार्य को पूर्ण करते हैं। इस दौरान डाः कृतिका अग्रवाल,संतोष तिवारी, कुंवर जी तिवारी, मनीष पांडेय, निखिलेश पाण्डेय, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, महेश प्रसाद केसरवानी, सुनील कुशवाहा, डाः प्रमोद मिश्रा, डाः एस आर द्विवेदी, सुनीता द्विदी, मीनू पाण्डेय, तुलसी तिवारी, सरिता गिरि, मनीष शुक्ला, कार्तिकेय तिवारी, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, संदीप सिंह, संतोष गौतम, संदीप तिवारी, रोहित तिवारी, श्याम नारायण पाठक, दया शंकर पाण्डेय, प्रवीण तिवारी, नागेश नारायण मिश्रा, जय व्रत सिंह, दीप द्विदी, समरेंद्र मिश्रा, शामभवी मिश्रा समेत कई लोग मौजूद रहे।

खेल के आयोजन से बढ़ता है आपसी भाईचारा : इंजी. घनश्याम पांडेय

प्रतापपुर। प्रतापपुर क्षेत्र के सरायममरेज गाँव के क्रिकेट मैदान में आयोजित माज मांटेसरी क्रिकेट कप प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के बसपा प्रत्याशी इंजीनियर घनश्याम पांडेय ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल-कूद से आपसी भाईचारा प्रेम सौहार्द की भावना उत्पन्न होती है।एक साथ खेलने से भेदभाव भी समाप्त होता है साथ ही खेल से अनुसाशन शैली भी विकसित होती है।प्रबंधक, समाजसेवी माज रहमान ने खिलाड़ियों को खेल को खेल भावना से खेलने की नसीहत देते हुए कहा विपक्षी खिलाड़ी को कभी अपना दुश्मन नही समझना चाहिए खेल में प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए ईर्ष्या नही सभी ने प्रतिगोगिता आयोजन के लिए आयोजक मडंल का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर एडवोकेट सैयद शेख, सरोज दुबे, संतोष पांडेय, चंदू तिवारी, डिंपी पांडेय, निहाल पांडेय, साजिद अहमद पूर्व प्रधान, जावेद पूर्व प्रधान, अध्यक्ष नसीम अहमद, उपाध्यक्ष लाडले साहब, कोषाध्यक्ष पप्पू बर्तन वाले, अफरोज हमजा, फरहान, सरफराज, बाबर, मोनू जायसवाल, मुख्तार हाशमी, शमीम, नौशाद, अखलाक, राजबहादुर आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा की बैठक कुंदौरा मंदिर में संपन्न

धनूपुर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा धनूपुर मंडल की कामकाजी बैठक की गई जिसमें विशेष रूप से सदस्यता व अटल संदेश यात्रा व युवा सम्मेलन के कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई। जिसमें मुख्य रुप से जिला शोध प्रमुख व मंडल प्रभारी धनूपुर सुमित तिवारी ने कहा कि आगामी कार्यक्रम को लेकर सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी मजबूती के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अहम योगदान दें।क्योंकि आने वाले विधानसभा चुनाव में हमें पुनः भाजपा को प्रचंड बहुमत से जिताने के लिए हम सभी युवा एकत्रित होकर भाजपा को मजबूत बनाने में सफल रहे प्रत्याशी कोई भी हो हमें कमल के फूल पर बटन दबाकर संगठन को मजबूती प्रदान करना है।जिसमें उपस्थित सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में हम सभी अपने-अपने बूथों को मजबूती प्रदान कर एक बार पुनः भारतीय जनता पार्टी कि सरकार बनाना है बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा अनुराग पांडेय एवं संचालन मंडल महामंत्री प्रवीण मिश्रा ने किया।बैठक में युवा मोर्चा के मंडल प्रभारी बरौत आशीष त्रिपाठी, मंडल महामंत्री भाजपा राकेश दुबे, उपाध्यक्ष अंशुमान शुक्ला, मंत्री पंकज मिश्रा, रजनीश दुबे सोशल मीडिया प्रभारी, शिवा पांडेय, अमित मिश्र, आशीष मिश्रा सेक्टर संयोजक प्रवीण वर्मा, मुन्ना उपाध्याय उपस्थित रहे।

निशुल्क स्वास्थ्य कैंप मे चार सौ मरीजों का जांच कर बांटी गई मुफ्त में दवा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। श्रद्धापुष्प डायग्नोस्टिक एंड पॉलीक्लिनिक सेंटर नैनी द्वारा रविवार के दिन निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया। जिसमे चार सौ मरीजों का स्वास्थ्य जांच कर मुफ्त में दवा वितरण किया गया। जिसमें लेप्रोसी मिशन हास्पिटल के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ.एस.पी.पटेल और जनरल फिजिशियन डॉ.संजय वर्मा एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.जय कल्याण यादव, जनरल फिजिशियन डॉ संजय वर्मा, एसीएमओ डॉ वीर बहादुर सिंह, ने विभिन्न प्रकार के रोगियों का जांच कर दवा दी। और रोगों के लक्षणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बीमारियों के शुरूवाती लक्षण पहचान कर तत्काल चिकित्सक से इलाज करवाना चाहिए। अन्यथा लापरवाही बरतने से छोटी सी बीमारी आगे गंभीर रूप ले लेती है। बीमारियों के लक्षणों और बचाव के प्रति जागरूक किया।वहीं ठंड के मौसम में हृदय रोगियों सहित बच्चों को विशेष रूप से सावधानियां बरतने को सलाह दी गई। रोग के लक्षणों और बचाव के प्रति जागरूक किया गया।निशुल्क दवा वितरण कंपनी एलड्रोन ने किया। कमला पैथॉलाजी ने मरीजों का निशुल्क जांच किया। श्रद्धापुष्प डायग्नोस्टिक एंड पॉलीक्लिनिक सेंटर के निदेशक अरविंद सिंह, सहित फरहान अहमद, सचिव मोहम्मद आरिफ, अरुण भारतीय, नितिन कुमार, मो आजम, मो सलमान, अफजल अहमद, रईस, जसीम, हारिश, आयुष श्रीवास्तव,संचालक पुष्पराज सिंह ने कैंप के चिकित्सकों के प्रति आभार प्रकट किया।

स्वास्थ्य कैम्प में मरीजों की जांच करते चिकित्सक

रैली में सामिल महिलाओं की व्यवस्था नौ महाविद्यालयों में

सहसों। प्रधानमंत्री की 21 दिसंबर को होने वाली रैली में आजमगढ़ से 4000 महिलाएं शामिल होने के लिए आ रही हैं। जिसको देखते हुए सहसों क्षेत्र में 21 दिसंबर मंगलवार को प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की होने वाली रैली में आजमगढ़ से आ रही चार हजार महिलाओं की रुकने की व्यवस्था सहसों क्षेत्र के विभिन्न महाविद्यालयों में की गई है। जिसमें केवला प्रसाद शुक्ल जनता महाविद्यालय में चार सौ,जी सिंह विधि एवं डिग्री कॉलेज में नौ सौ, कमलेश यादव डिग्री कॉलेज में छह सौ, आर एन सिंह महाविद्यालय, छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज, राज नारायण पांडे महाविद्यालय बेरूई में पांच-पांच सौ तथा रामदुलार सिंह महाविद्यालय तथा आरडी सिंह ग्रुप आफ एजुकेशन बसमहुआ में तीन-तीन सौ महिलाओं की रहने- खाने की व्यवस्था की गई है। व्यवस्था का जायजा लेने के लिए जिला पंचायत प्रयागराज एवं स्थानीय विकासखंड फूलपुर के अधिकारी एवं कर्मचारी विद्यालयों में लगे हुए हैं। रविवार को एडीओ पंचायत फूलपुर गुलाब चंद्र पांडे एवं ग्राम पंचायत अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि आजमगढ़ से पीएम की रैली में शामिल होने के लिए आ रही महिलाओं के लिए महाविद्यालयों में सभी प्रकार की व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई है।

मालिक की पत्नी व बच्चों को लेकर ड्राइवर हुआ फरार

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा थाना क्षेत्र मे एक ड्राइवर ने मालिक के घर मे रखे जेवरात, नगदी व तीन बच्चों सहित मालिक की पत्नी को बहला फुसलाकर कर भगा ले गया। पीड़ित ने कोतवाली मे तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

मेजा थाना क्षेत्र के हरगढ गांव निवासी कृष्ण मुरारी पाल पुत्र राजाराम पाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पंचम पुत्र भोलानाथ निवासी तिसेन थाना माण्डा करीब तीन वर्षों से उसके घर मे रह कर ट्रैक्टर चलाता था। चार दिसंबर की रात ड्राइवर पंचम पीड़ित कृष्ण मुरारी की पहली पत्नी मालती देवी का बक्सा तोड़कर उसमें रखा 20 हजार नगद व औरत की जेवरात चोरी कर ले गया। वहीं कृष्ण मुरारी की दूसरी पत्नी कृष्णा देवी अपने तीन बच्चों आशीष (12), मनीष (8) व पूजा (5) मायके बड्डीहा थाना खीरी में थी। पीड़ित का आरोप है कि उसका ड्राइवर पंचम 9 दिसंबर की रात उसकी दूसरी पत्नी को भी नगदी रुपए और जेवरात व तीनों बच्चों सहित बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसकी दूसरी पत्नी के नाम कार व ट्रैक्टर है। पीड़ित ने कहा कि वह मेरी औरत के नाम पर ट्रैक्टर व मारुति कार को अपने नाम ट्रांसफर करा लेगा और मेरी पत्नी व बच्चों को बेच देगा। पीड़ित कृष्ण मुरारी पाल ने मेजा कोतवाली व थाना खीरी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के अनुसार थाने का चक्कर दो-तीन दिनों से लगा रहा है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। पत्नी व बच्चों को लेकर भागा ड्राइवर पंचम ने कृष्ण मुरारी पाल को धमकी दी है कि अगर कोई कार्रवाई करोगे तो एससी एसटी का मुकदमा कायम करा कर जेल भिजवा दूंगा। पीड़ित न्याय के लिए संबंधित अधिकारियों के यहां चक्कर लगा रहा है।

राम कथा दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों तापों को हरने वाली है : धनेश्वर महाराज

अखंड भारत संदेश

जंघई। चंद्रमौलेश्वर धाम चनेथू प्रांगण में आयोजित सार्वजनिक मानस ज्ञान महायज्ञ एवं श्रीराम कथा में श्रीराम के राज्याभिषेक, वनवास और राम केवट संवाद की कथा कथा वाचक धनेश्वर महाराज ने सुनाया। सबसे पहले कथा व्यास ने कहा कि राम कथा दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों तापों को हरने वाली है। जिस पर प्रभु की कृपा होती है उन्हें ही यह कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है।कथा व्यास ने कहा राम विवाह के समय पूरी अयोध्या आनंद में डूब गई कुछ दिनों बाद राजा दशरथ ने राम का राज्याभिषेक करने का निर्णय लिया। उधर देवता चिंतित है कि यदि राम राजा बन गए तो देवताओं की रक्षा कौन करेगा। राक्षसों का संहार कौन करेगा वे माता सरस्वती के पास जाते हैं माता सरस्वती मंथरा की मति फेर देर देती हैं मंथरा के बहकाने पर कैकेई राम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांग लेती हैं। राम कथा की यही विशेषता है कि भरत राज्य पाकर भी उसे स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने 14 वर्ष तक श्रीराम के खड़ाऊं सिंहासन पर रखकर राज्य चलाया। इस अवसर पर कथा के संरक्षक नारायण स्वामी, यज्ञाचार्य धरणीधर शुक्ल, मनमोहन पांडेय आचार्य, सत्यम आचार्य, महंत बालक गिरी, यजमान रमेश कुमार तिवारी, चंद्रशेखर पांडेय, हृदय नारायण मिश्रा, सूर्यमणि शुक्ल, लल्लन प्रसाद पांडेय, शिवशंकर दुबे बबलू, रमेश मिश्रा, आशीष शुक्ल, हरिशंकर पटेल, विद्याधर दुबे, इंद्रजीत उपाध्याय गुड्डू, अशोक द्विवेदी, संजय उपाध्याय, राकेश दुबे दादे, अभिनव पांडेय कल्लू, सुरेश मिश्रा, सुशील उपाध्याय, शास्त्री उपाध्याय, बब्बन यादव, विनय यादव, अभिषेक तिवारी राजा आदि लोग कथा में सहयोगी हैं।

कथा वाचन करते कथा व्यास

आवास के लिए वर्षों से भटक रही है बंजारन शारदा देवी

करछना। विकासखंड करछना के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनाई गांव की एक बंजारन प्रधानमंत्री आवास के एक अदद छत पाने के लिए वर्षों से करछना ब्लॉक के अधिकारियों का चक्कर लगा रही है जानकारी के मुताबिक शारदा देवी पत्नी जितेंद्र कुमार निवासी गांव सोनाई आवास के लिए 3 वर्ष पूर्व आवेदन किया था पात्र होने के बावजूद भी आज तक उसे आवास नहीं दिया गया तकनीकी खामियां दिखाकर उसे लौटा दिया जाता है जबकि पीएम ने गरीबों को 2022 तक सबको पक्का मकान देने का वादा कर चुके हैं 5 बच्चों की मां शारदा देवी पति मजदूरी करता है एक झोपड़े में रहकर बच्चों को पालती है। पूर्व प्रधान से लेकर वर्तमान प्रधान तक 3 वर्ष दौड़ भाग करती रही लेकिन उसकी एक भी सुनवाई नहीं हुई महीनों से बंजारन शारदा देवी करछना ब्लॉक का चक्कर लगाते लगाते मायूस हो गई उसे यह कह कर लौटा दिया जाता है कि तकनीकी कारणों से तुम्हारा पैसा अभी खाते में नहीं पहुंचा है जल्द ही तुम्हें आवास का पैसा मिल जाएगा ऐसा अधिकारियों ने कई बार आश्वासन देकर लौटा दिया है।

भाजपा छोड़ दर्जनों नेता बसपा की सदस्यता ग्रहण की

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टियों ने अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। कोई अपने चहेतों के साथ तो कोई अपनों से नाराज दूसरी पार्टियों का दामन थामने में लगे हैं। रविवार को विधानसभा मेजा के सिगारों गांव में बसपा नेता बाबा तिवारी के नेतृत्व में अनुराग दुबे आवास पर चाय पर चर्चा के दौरान दर्जनों लोगों ने भाजपा छोड़ बसपा की सदस्यता लिया। इस दौरान बाबा तिवारी ने कहा कि जन विरोधी नीतियों से आम जन मानस त्रस्त है,और महगांई से पूरा देश जूझ रहा है। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का अस्तित्व समाप्त होने की कगार पर है। जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है और बहन मायावती के नेतृत्व में बसपा पार्टी की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से दयाशंकर दुबे, कृष्णा शंकर दुबे ,लाल कृष्ण दुबे ,रामजी पांडेय, ओंकार नाथ दुबे,राम कृष्ण दुबे ,बबलू दुबे,ब्रह्म दत्त दुबे, अनुराग दुबे ,राजा दुबे , राहुल दुबे ,अनुप दुबे ,संजीव दुबे , बृजेन्द्र दुबे , विकास दुबे ,आदेश दुबे,बालक दुबे सहित कई लोगों ने सदस्यता ग्रहण किया।

खबर संक्षेप

ठंड ने दी दस्तक अलाव की व्यवस्था नदारद,नहीं जले अलाव

करछना। तहसील प्रशासन की ओर से अभी तक करछना क्षेत्र के किसी भी प्रमुख बाजारों एवं चौराहों पर अलाव जलाए जाने की व्यवस्था नहीं की गई जिसके चलते राहगीरों का चलना मुश्किल हो गया है जबकि दिसंबर का आखिरी महीना चल रहा है 2 दिन से पछुआ हवा चलने से एकाएक शीतलहर का माहौल बन गया है लोग अपने घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। वही बाजारों में देर शाम होते ही ठंड से सन्नाटा पसर जाता क्षेत्री लोगों ने तहसील प्रशासन करछना से मांग की है कि विगत वर्षों की भाति इस वर्ष भी ठंड के बचाव के लिए अलाव जलाए जाने की व्यवस्था कराए जाने की अपील की है जबकि करछना समेत साधु कुटी ,घटवा ,सोनाई, करे हा ,भीरपुर ,बसही, भिटरिया ,रामपुर, नैनी ,आदि दर्जनों जगहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई जहां से गुजरने वाले रोज राहगीरों का सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है वहीं ठंड के कारण क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में शीतलहर के माहौल में लोग बेहाल हो रहे हैं।

बालसन चौराहे पर धरना स्थल पर मौजूद प्रतियोगी छात्र

ठंड से बाजारों में शाम होते ही पसरा गया सन्नाटा

करछना। दो दिन से चल रही शीत हवाओं के चलते लोगो का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है और शाम होते ही बाजारों में पसर जाता है सन्नाटा शीतलहर जैसी हवाओं से लोग गर्म कपड़ों की दुकानों पर कुछ खरीदारी करने में मकसूद दिखे वही शाम होते सड़कों पर राहगीरों का आवागमन सिमट गया है तथा शीतलहर के चलते तहसील प्रशासन की ओर से अभी तक कहीं भी अलाव जलाए जाने की व्यवस्था नहीं की गई है जबकि दिसंबर माह में बाजारों के मुख्य चौराहों पर अलाव जलाए जाते रहे हैं लेकिन अचानक बढ़ी ठंड के चलते तहसील प्रशासन अलाव की व्यवस्था में पीछे हैं जिससे राहगीरों के साथ-साथ आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है और पछुआ की चल रही 2 दिन से ठंड हवा से सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों की हो रहे हैं सुबह 8:00 बजे स्कूल पहुंचना उनके लिए सबसे बड़ी इस ठंड में मुसीबत बन गई है स्थानीय लोगों ने तहसील प्रशासन से अपील की है कि करछना क्षेत्र के प्रमुख बाजारों एवं चौराहों पर अलाव जलवाए जाने की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है।

न्यूज झरोखा

प्रधान प्रतिनिधि द्वारा गरीब का गिराया गया दीवाल

सिरसा। मेजा क्षेत्र विकास खंड उरुवा ग्राम पंचायत उपरौडा (बड़ी लोहारी) में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारा 30 साल से पड़ी नीव को गिरवा दिया। प्रार्थी रमजनक यादव पुत्र सेवा सरन यादव ग्राम पंचायत उपरौड़ा (बड़ी लोहारी) के ईट की दीवार को प्रधान आकांक्षा यादव प्रतिनिधि सुरेश यादव ने 30 साल से बनी पक्की ईट की दीवार को गिरवा दिया। प्रार्थी सिरसा पुलिस चौकी पर प्रार्थना पत्र में लिखा है। नीव पूर्व 30 वर्षो से निर्मित हैं। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुरेश यादव जबरन नीव को तोड़कर तहस-नहस कर दिया। जबकि रमजनक यादव और उसका परिवार पिछले 30 वर्षों से इस जमीन पर काबिज हैं। प्रार्थी का आरोप है की इस तरह की घटना कई बार किया गया। प्रधान प्रतिनिध के इस रवैया से पीड़ित परिवार डर-भय से जीने को मजबूर हो गए हैं।

संविदाकर्मी लाइनमैन करंट की चपेट में आने से झुलसा

सिरसा। मेजा थाना क्षेत्र ब्लाक उरुवा ग्रामपंचायत रामनगर (केवटाही) में बिजली बनाते समय करंट के चपेट में आने से एक संविदा कर्मी बुरी तरह से झुलस गया। मौजूद लोगों द्वारा उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर ले जाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बिजौरा पावर हाउस पर अटैच संविदा कर्मी दिनेश सिंह (ठाकुर)निवासी हनुमान सहाय का पूरा रामनगर गांव के ही केवटाही बस्ती में बिजली ठीक कर रहा था। उसी समय वह करंट की चपेट में आ गया। जिससे बुरी तरह झुलस गया। ग्रामीणों द्वारा उसे इलाज के लिए रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। वहीं जानकारी मिली कि बिजली ठीक करने के लिए संविदाकर्मी द्वारा शटडाउन लिया था, लेकिन पावर हाउस की ट्रॉली खराब होने के कारण सप्लाई चालू थी। जिससे वह करंट की चपेट में आ गया।इस घटना से संविदाकर्मी लोग दहशत में हैं।

शहजादे बने अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन के मंडल मंत्री

कोराव। अखिल भारतीय प्रधान संगठन उत्तर प्रदेश ने अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव प्रयागराज को इलाहाबाद मंडल के संगठन का मंत्री मनोनीत किया गया है। उक्त जानकारी प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी ने नियुक्ति पत्र भेज कर दी है। श्री शहजादे प्रधान और पत्रकार के साथ साथ मिस्कीन सेवा संस्थान ट्रस्ट के प्रबंधक सचिव भी हैं। जो विगत 1986 से ही सोशल एक्टिविस्ट और पत्रकारिता जगत से समाज क्षेत्र में अपनी एक पहचान कायम किए हैं। शहजादे के छोटे भाई अजीज अहमद सिद्दीकी उर्फ अच्छे भी उक्त ग्राम पंचायत अल्हवा बांसीपुर के प्रधान रह चुके हैं इस बार जनता ने शहजादे को ग्राम प्रधान पद पर भारी मतों से विजई बनाया है। नव नियुक्त अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन के प्रयागराज मंडल के मंत्री शहजादे ने प्रदेश संगठन का आभार जताया। शहजादे ग्राम प्रधान ने कहा कि ग्राम पंचायतों के और ग्राम प्रधानों के हितार्थ संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा पंचायतीराज अधिनियम में प्रदत्त पंचायती राज के अधिकारों का अनुपालन कराया जाना मेरा मुख्य उद्देश्य होगा। श्री शहजादे ने कहा कि यदि सरकार या सक्छम अधिकारी ग्राम पंचायतों की उपेक्छा करेंगें तो संगठन चुप नहीं बैठेगा। उच्च न्यायालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक न्याय एवं पंचायतों के अधिकारों में शोषण किए जाने तथा क्रियान्वयन न होने पर दरवाजा खटखटाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायतों की सुधि ली है। किंतु पहले ली होती तो ग्राम पंचायतों की कुछ और बेहतर तस्वीर दिखाई देती। उन्होंने संगठन के लोगों से तथा प्रधान बंधुओं से आग्रह किया है कि ग्राम पंचायतों का समग्र विकास तथा भाई चारा कायम कर जनहित में अपना योगदान दें।

पूर्व विधायक ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर जाना हाल

लालापुर। रविवार को सामाजिक कार्यकताओं व ग्रामीणों के साथ पूर्व विधायक वाचस्पति ने बैठक की। इसमें बारा विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के लोग उपस्थित हुए।बैठक में बारा विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त स्वास्थ्य, शिक्षा ग्रामीण विकास एवं नहरों में समय से पानी न छोड़े जाने व नाव व बोट से खनन एवं विभिन्न समस्याओं के समाधान पर चर्चा हुई।साथ ही प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने पूर्व विधायक से ग्रामीणों की समस्या को अवगत कराया।पूर्व विधायक ने कहा की समस्याएं नासूर हो जाए इससे पूर्व उन्हें खत्म करना होगा। पूर्व विधायक ने रविवार को बारा तहसील क्षेत्र के मझियारी तरहार,मदुरी और पंडुवा गांव का दौरा किया।पूर्व विधायक ने ग्रामीणों व सामाजिक कार्यकताओं की बात सुनने के बाद जिला प्रशासन से बात कर समस्या का हल निकालने का अस्वासन दिया।इस मौके पर उमाशंकर मिश्र मझियारी,विजय कुमार उर्फ श्यामू निषाद अमिलिया, पप्पू गर्ग, अमर सिंह डेराबारी,जय प्रकाश,प्रधान लालापुर शंकरलाल पांडेय,राजू उर्फ विमलेश पांडेय,राम सागर पांडेय,विजय भारतिया,राम अभिलाष,प्रधान पंडुवा दीपेश मिश्र,पुष्कर नाथ तिवारी,प्रधान प्रतापपुर राम करन निषाद,होरी लाल,अमर नाथ,राम नरेश उर्फ मुंशी,गुलाब निषाद,छोट्टन,राकेश साहू,पिंटू गुप्ता,बाल गोविन्द,इंद्रजीत ,मुन्ना प्रधान रेरा,राधिका प्रधान,सुभास कुशवाहा,अशोक कुशवाहा,अर्जुन कुशवाहा,सतीश साहू,भीम राज पटेल बसहरा सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

गजब का है पुलिस का काम, दो पहिया वाहन को दिखाकर काट दिया चार पहिया वाहन का चालान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। वाहन चेकिंग के नाम पर पुलिस ने एक वाहन स्वामी के वाहन का गलत तरीके से चालान कर दिया है जब वाहन स्वामी को पुलिस के चालान की जानकारी हुई तो उसने मामले में शिकायती पत्र देते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर फर्जी तरीके से किए गए ईचालान को समाप्त करने की मांग की है'। बताते चलें कि अश्वनी कुमार त्रिपाठी पुत्र श्री विष्णु कान्त त्रिपाठी निवासी गढ़वा पण्डित का पूरा पोस्ट दुमदुमा तहसील हंडिया के वाहन संख्या वढ 70 एए9727 मारुति रिटज कार का पुलिस ने दोपहिया वाहन दिखाते हुए 14 दिसंबर को चालान कर दिया है जबकि वाहन स्वामी का कहना है कि चालान में दशार्ये गये स्थान पर उसका वाहन नहीं था और न ही वाहन से किसी प्रकार का यातायात का उलंघन हुआ है गजब की बात तो यह है कि पुलिस ने जिस वाहन संख्या पर चालान किया है यह चार पहिया वाहन है लेकिन पुलिस ने चालान की रसीद में दोपहिया वाहन दिखाते हुए तीन सवारी दर्शाई है। गलत ढंग से चालान करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ गलत चालान को संशोधित करने की मांग वाहन स्वामी ने पुलिस अधीक्षक से की है।

पुलिस ने किया गलत चालान एसपी से शिकायत, चार पहिया वाहन का नंबर डालकर चालान में दोपहिया वाहन पुलिस ने दिखाया

पुलिस के द्वारा काटा गया ई चालान

युवाओं के तेवर देख प्रशासनिक अधिकारियों के फूले हाथ पैर

पीएम से मिलने को सौंपा ज्ञापन, 110 दिनों से जारी आंदोलन में शामिल हुए प्रतियोगी छात्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रदेश में पांच लाख रिक्त पदों को भरने, गरिमापूर्ण रोजगार की गारंटी, पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त चयन जैसे मुद्दों पर युवा मंच के बैनर तले 110 दिनों से जारी आंदोलन में शामिल प्रतियोगी छात्र रविवार को बड़ी संख्या में सड़क पर उतर आए। बालसन चौराहे पर धरने पर बैठे प्रतियोगी छात्र अड़े हुए थे कि प्रयागराज आगमन पर प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकात कराई जाए। शाम को जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि सोमवार को उनकी मांगें प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अफसरों के समक्ष रखी जाएंगी। इसके बाद छात्रों ने धरना समाप्त किया। बालसन चौराहे पर सुबह 11 बजे से ही छात्र जुटने लगे थे। ऐसे में चौराहे और आसपास का क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। दोपहर तीन बजे के आसपास जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों को ज्ञापन देकर मांग की गई कि रोजगार के मुद्दे पर युवाओं को प्रधानमंत्री से मिलने की अनुमति दी जाए, लेकिन उन्हें कोई आश्वासन नहीं मिला।युवा मुलाकात के लिए अड़े रहे और कहा कि अब दिन-रात प्रदर्शन जारी रहेगा। युवाओं का तेवर देख प्रशासनिक अफसरों ने आश्वासन दिया कि सोमवार सुबह पीएमओ के अधिकारी प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उनके समक्ष मांगपत्र रखा जाएगा और पीएमओ के अधिकारी जो निर्णय लेंगे, युवा मंच के पदाधिकारियों को उससे अवगत करा दिया जाएगा। अफसरों ने कहा कि अंतिम निर्णय पीएमओ के अधिकारी ही लेंगे।

28 दिसंबर को लखनऊ में महापंचायत

प्रयागराज। आश्वासन मिलने के बाद शाम को धरना समाप्त कर दिया गया और निर्णय लिया गया कि 28 दिसंबर को लखनऊ में रोजगार के मुद्दे पर महा पंचायत होगी और सोमवार को अपराह्न तीन ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के सामने अंबेडकर पार्क में छात्रों की आम सभा बुलाई जाएगी। युवा मंच संयोजक राजेश सचान ने कहा कि 2017 के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री ने प्रदेश के युवाओं से वादा किया गया था कि भाजपा सरकार बनने पर सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा, इसलिए प्रधानमंत्री हस्तक्षेप करें और बिना देरी किए प्रदेश में पांच लाख से रिक्त पदों को विज्ञापित कराने की गारंटी सुनिश्चित कराएं। धरना-प्रदर्शन में युवा मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह समेत करन सिंह परिहार, रजत सिंह, रमाकांत यादव, अतुल तिवारी, सुनीता साह, बीएल यादव, सूर्य प्रकाश चौधरी, अखिलेश कुमार यादव, सत्य प्रकाश सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह, रवि गुप्ता आदि मौजूद रहे।

केपी कॉलेज में आयोजित हुआ सामूहिक वंदे मातरम कार्यक्रम, एक साथ एक लाख लोगों ने गाया गीत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। केपी कॉलेज के मैदान में रविवार को तन समर्पित मन समर्पित और यह जीवन समर्पित के भाव को लेकर एक लाख देशभक्तों ने सामूहिक वंदे मातरम गीत गाकर प्रयाग की धरती पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। चंद्रशेखर आजाद, रमेश मालवीय, त्रिलोकीनाथ कपूर जैसे बलिदानियों की धरती रविवार को स्वाधीनतता के 75 वे वर्ष में 75 बालिकाओं के नेतृत्व वंदे मातरम के गीत से गुंजायमान हो उठी। अमृत महोत्सव समिति प्रयाग के तत्वावधान में केपी ग्राउंड में 100000 देशभक्तों के विशाल समूह ने समवेत स्वरों में वंदे मातरम गीत का गायन कर देश पर मानो सर्वस्व न्योछावर करने के संकल्प का शंखनाद कर दिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह राम दत्त चक्रधर ने मुख्य वक्ता के रूप में स्वावलंबन से शक्तिशाली भारत के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।ओजस्वी स्वरों में कहा कि स्वत्व का जागरण कर भारत को शक्तिशाली तथा विश्व गुरु के पद पर आसीन किया जा सकता है। इसके लिए स्वदेशी तकनीक स्व भाषा का प्रयोग तथा स्वधर्म का अनुगमन करना होगा। स्व के आधार पर देश को विकसित करने पर ही देश विश्व गुरु बन सकेगा। इसके लिए उन्होंने सभी से अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर करने तथा निमंत्रण पत्र मे अपनी भाषा का प्रयोग करने की जरूरत पर बल दिया। अमृत महोत्सव समिति काशी प्रांत के संयोजक डॉ. आनंद शंकर सिंह ने काशी प्रांत में पूरे महीने भर चले अमृत महोत्सव की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने 12 मार्च 2021 को अमृत महोत्सव मनाए जाने की घोषणा की थी उसी क्रम में अपना राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए सरकार के अतिरिक्त सामाजिक संगठनों ने भी अमृत महोत्सव मनाया क्रम में काशी प्रांत के गांव गांव में भारत माता की झांकी सामूहिक आरती विशाल तिरंगा यात्रा तथा शहीदों के याद के लिए दीपदान के आयोजन हुए। मंच पर फलाहारी बाबा की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। वैदिक मंगलाचरण से शुरू हुए इस समारोह का संचालन अधिवक्ता परिषद के महामंत्री शीतल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आशीष ने किया।

महापुरुषों के परिधानों में पहुंचे छात्र-छात्राएं

समारोह स्थल पर 75 कलश से सजावट 75 फुट की रंगोली 75 महापुरुषों की अलग-अलग परिधानों में झांकी आकर्षण का केंद्र बनी थी। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक रमेश, प्रोफेसर राज बिहारी लाल, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डॉ. कीर्तिका अग्रवाल, केपी सिंह, डॉ.पीयूष, शिव कुमार पाल, संजीव, घनश्याम, वीर कृष्ण, अजय, महोत्सव समिति के सह संयोजक मुरारजी त्रिपाठी, विभाग प्रचार प्रमुख वसु,, रामकुमार, जल संसाधन मंत्री महेंद्र सिंह, हर्षवर्धन बाजपेई, महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी, भाजपा नेता पवन श्रीवास्तव, प्रचार समिति के सदस्य संतोष तिवारी समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

नैनी। हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रोवर रेंजर इकाई के पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह पर कैम्प फायर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के रोवर्स रेंजर्स प्रभारी डॉ .दीपक ने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक के रूप में भारत स्काउट गाइड से राज नारायण शुक्ला , वेद प्रकाश भगत ,डॉ. नसरीन रिजवी को आमंत्रित किया गया। जिन्होंने छात्र छात्राओं को स्काउट गाइड के इतिहास ,मार्चपास्ट, स्काउट नियम, प्रतिज्ञा ,स्काउट गीत, झंडा गान, गठबंधन, पुल निर्माण ,स्काउट तालियां, कलर पार्टी की तैयारी, बिना बर्तन के भोजन संबंधी कार्यक्रम का आयोजन, प्राथमिक चिकित्सा ,टेंट निर्माण आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया एवं नवप्रवेशी रोवर्स रेंजर्स को दीक्षा प्रदान की। कैम्प फायर कार्यक्रम के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने लोकगीत, लोकनृत्य, झांकियां तथा समसामयिक सामाजिक समस्याओं पर नाटक प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुनंदा चतुर्वेदी ने छात्र-छात्राओं रोवर रेंजर छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण लेने एवं उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में प्रतिभाग कर महाविद्यालय के खेल मैदान को जीवंतता प्रदान करने पर बधाई दी। इस दौरान रेंजर प्रभारी डॉ. मीनाक्षी राठौर समेत समस्त कर्मचारीगण मौजूद रहे।

ओवरटेक के फेर में ट्रैक्टर से भिड़े बाइक सवार, एक की मौत

शंकरगढ़। प्रयागराज-चित्रकूट मार्ग पर रविवार की रात हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। यह हादसा शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के गाढ़ा कटरा के समीप हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चित्रकूट की तरफ से आ रहे ट्रैक्टर से एक बाइक सवार भिड़ा,उसके बाद पीछे आ रहे एक अन्य बाइक व स्कूटी सवार ट्रैक्टर से टकरा गए, जिसमें एक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना मिलने पर पहुंचे एसओ शंकरगढ़ बृजेश सिंह ने सभी को सीएचसी पहुंचाया, जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि प्राथमिक उपचार के बाद दो को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यह हादसा शाम तकरीबन सात बजे हुआ। जानकारी के मुताबिक शाम साढ़े छह बजे बांदा की ओर एक ट्रैक्टर आ रहा था। जबकि विपरीत दिशा से (शिवराजपुर की तरफ से) पवन सिंह (21) पुत्र राजेंद्र सिंह (निवासी कूड़ी बरहा, जनेह, मध्यप्रदेश) और हनुमान कोल (30) पुत्र अमर कोल (निवासी हड़ई,गाढ़ा कटरा, शंकरगढ़) अलग-अलग बाइक से जा रहे थे। इसके अलावा जयशंकर विश्वकर्मा (28) पुत्र शिवशंकर (निवासी कर्वी, चित्रकूट) भी स्कूटी से पीछे-पीछे जा रहा था। गाढ़ा कटरा के समीप एक दूसरे को ओवरटेक करने की कोशिश में एक बाइक सवार ट्रैक्टर में घुस गया। यह हादसा इतनी तेजी से हुआ कि अन्य वाहन सवार भी ट्रैक्टर में भिड़ गए और किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। हादसे की सूचना मिलते ही मुकामी पुलिस ने स्थानीय राहगीरों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां हनुमान कोल को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि जयशंकर व पवन का पैर फ्रैक्चर हो गया है। हादसे के बाद सभी के परिवार वालों को सूचना भेज दी गई है। इस हादसे की वजह से कुछ देर कर लिए राजमार्गपर यातायात भी प्रभावित रहा।

नदी उत्सव के उपलक्ष में संगम क्षेत्र, गंगा समिति द्वारा भव्य आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संगम पर नदी उत्सव का भव्य कार्यक्रम हुआ जिसमे जल मंत्रालय के संयुक्त सचिव संदीप अवस्थी मुख्य अतिथि के तौर पर रहे प्रयागराज की नमामि गंगे टीम ने मुख्य अतिथि का हार्दिक स्वागत किया ' कार्यक्रम की शुरूआत गंगा में बोटिंग से की गई 'कार्यक्रम में प्रभागीय वन निदेशक रमेश चंद्र एसडीओ संजय शर्मा मुख्य वन संरक्षक वन संरक्षक बीआर अहिरवार राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन से कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट अथर्वराज स्वच्छ गंगा मिशन से पर्यावरण विशेषज्ञ सीताराम टैगोर गंगा टास्क फोर्स के लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत सेठ मेजर अभिषेक द्विवेदी नेहरू युवा केंद्र की नमामि गंगे डीपीओ एषा सिंह भारतीय वन्यजीव संस्थान के पी उपाध्याय बीएचयू गंगा मित्र सिविल डिफेन्स उपस्थित रहे कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने नदी उत्सव पर अपने विचार प्रकट किए इसी कडी मे नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी गंगा स्वच्छता स्लोगन लिखे परिधान पहनकर घूम घूम कर लोगों को गगा को प्रदूषण से बचाये रखनें के लिए लोगों से अपील की गंगा मे माला फूल हवन सामग्रि केमिकल से पेन्ट की गयी मूर्ति तस्वीर को न डाले वही उपस्थित लोगों के साथ साथ सभी तिर्थपुरोहितो नाविको से कहा गंगा राष्ट्रिय नदी है ईस धरोहर को हमे आपको हि बचाना पालिथिन एक स्लो प्वाईजन है इसका इस्तेमाल न करे न दूसरे को करने दे जो मछली हमारे गंगा को साफ स्वच्छ बनायें रखने के लिये हर कोशिश करती है और हम आप जो बचे हुए सामग्री गंगा मे डालते है उससे अनेक मछलियाँ मर जाती है हमे आपको हर हाल में अपनी दो बूँद अम्रित जल प्रदान करने वाली गंगा की प्रदूषण से बचाना है। कार्यक्रम में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों द्वारा गंगा पर भव्य सैंड आर्ट प्रदर्शित की गई। इसके पश्चात गंगा शपथ ली गई तथा सभी अतिथियों ने संगम परिसर में पौधारोपण किया,साथ ही में मौजूदा सभी गंगा सेवक स्वयंसेवक, गंगा दूत गंगा पहरी गंगा मित्र गंगा टास्क फोर्स द्वारा गंगा तट पर श्रमदान किया गया।

नदी उत्सव के दौरान संगम क्षेत्र में उपस्थित लोग

नेचर वॉक करके मनाया नदी उत्सव

प्रयागराज। नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत नदी उत्सव (17-23) के उपलक्ष में नेहरू युवा केंद्र , प्रयागराज द्वारा गंगा ग्राम सभा चंदापुर भभौरा में गंगा के किनारे 2 किलोमीटर की प्राकृतिक पद यात्रा (नेचर वॉक) किया गया। पदयात्रा स्वयंसेवक सौरभ कुमार मिश्रा द्वारा आयोजित की गई । इस कार्यक्रम में सभी गंगा दूतों ने स्वच्छता, पर्यावरण एवं नदियों के संरक्षण पर स्लोगन तथा नारेबाजी कर ग्रामीण वासियों को जागरूक करते हुए पदयात्रा निकाली। इसके पश्चात नदी उत्सव पर चौपाल का आयोजन किया ।जिसमें पवन कुमार सिंह जी ने बताया कि गंगा भारत की बहुत ही महत्वपूर्ण नदी है गंगा के बगैर हमारा जीवन संभव नहीं है क्योंकि हम लोग का अस्तित्व गंगा से ही है ।कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे व नमामि गंगे जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। डीपीओ ने बताया नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत नदी उत्सव कार्यक्रम 17-23 दिसंबर तक पूरे भारत में मनाया जा रहा है। प्रयागराज में अलग-अलग विकास खंडों में नदी उत्सव पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को नदियों के संरक्षण अभियान से जुड़ने का पूरा प्रयास किया जा रहा है । इस कार्यक्रम में आदर्श शर्मा, अनिकेत शर्मा, हिमांशु सिंह, नवनीत सिंह, ओमप्रकाश सिंह, चयन सिंह, रतन सिंह,राजेंद्र प्रसाद सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

वंदे मातरम हम सभी के लिए राष्ट्र मंत्रः रामदत्त

राजकीय इंटर कालेज में हुआ सामूहिक वंदेमातरम गायन कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अमृत महोत्सव आयोजन समिति द्वारा सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन नगर के राजकीय इंटर कालेज के मैदान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव का आयोजन हम सभी के लिए संकल्प का आयोजन है कि हम अपने स्व का जागरण करें। अपने स्वत्व को जगा कर, अपने स्वाभिमान को जगा कर परम वैभवशाली राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करना ही अमृत महोत्सव का उद्देश्य है। आज आवश्यकता है कि देश में अनेक ऐसे ज्ञात-अज्ञात स्वाधीनता संग्राम सेनानी हैं जिनका हम स्मरण करें और आने वाली पीढ़ी को परिचित कराएं। वंदे मातरम हम सभी के लिए राष्ट्र मंत्र है। उन्होंने कहा कि भारत गौरवशाली राष्ट्र है, इसका इतिहास गौरवशाली है। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने एक साथ वंदे मातरम का सामूहिक गान करके राष्ट्रभक्ति का प्रबल ज्वार उत्पन्न किया। कड़ाके की ठंड के बात भी भारत माता का जयकारा लगाते हुए लोग हजारों की संख्या में राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में स्वाधीनता सेनानियों को भावांजलि अर्पित करने के लिए उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज ब्रह्मचारी ने की। इस दौरान कर्नल श्रीनिवास, प्रख्यात पाश्र्व गायक रवि त्रिपाठी, समाजसेवी सियाराम, अमृत महोत्सव आयोजन समिति के प्रांत संयोजक डॉ अखिलेश पांडेय मंच पर उपस्थित रहे। प्रस्तावना डॉक्टर पीयूष कांत शर्मा ने प्रस्तुत की। प्रख्यात पाश्र्व गायक रवि त्रिपाठी ने अपने गीत से वातावरण को राष्ट्रभक्तिमय कर दिया गया। सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर को डॉक्टर सौरभ पांडेय और समिति के पदाधिकारियों ने साफा, अंगवस्त्रम और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। संचालन प्रभाशंकर पाण्डेय ने किया। आभार डॉक्टर अखिलेश पांडेय ने किया। वंदे मातरम गायन में लक्ष्मी मिश्रा उनके सहयोगियों ने सहयोग प्रदान किया। आरंभ में पंडित आलोक मिश्र के निर्देशन में 21 वेद पाठी ब्राह्मणों के द्वारा शंख ध्वनि और वेद मंत्र का उच्चारण के साथ अमृत महोत्सव आरंभ हुआ। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक रमेश, रामचंद्र, विभाग प्रचारक प्रतोष, नागेंद्र, रमेश त्रिपाठी, चिंतामणि, हरीश कुमार, अशोक सिंह, कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह, सांसद संगम लाल गुप्ता, विधायक धीरज ओझा, विधायक राजकुमार पाल, पूर्व विधायक हरि प्रताप सिंह, नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, सिंधुजा मिश्रा, राकेश सिंह, कृष्ण कांत मिश्रा, संतोष मिश्रा, पिंटू तिवारी, प्रभात मिश्र, नितेश खंडेलवाल, शिव शंकर सिंह, डॉ0 बृज भानु सिंह, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, विनोद कुमार द्विवेदी, संजय तिवारी, सुरेंद्र प्रसाद, शिशिर खरे, रमेश पटेल, लक्ष्मी मिश्रा, अनीता पांडे, अनामिका उपाध्याय, डॉ अविनाश शुक्ला, विनोद शुक्ल, सीतांशु ओझा सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वाधीनता संग्राम सेनानियों को दी गई भावांजलि

सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर को स्मृति चिन्ह देते आयोजकगण

भण्डारे में उमड़े श्रद्धालु

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के घुइसरनाथ रोड पर स्थित श्री राधा-मोहन मंदिर मे रविवार को हुए भण्डारे मे श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी दिखी। सामूहिक रामचरित मानस पाठ को लेकर हुए भण्डारे मे श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण करते देखा गया। भण्डारे मे महिलाओं द्वारा भजन व संकीर्तन से आध्यात्मिक समा भी बंधी देखी गयी। कार्यक्रम मे क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल व चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी भी शामिल हुये। कार्यक्रम का संयोजन हीरालाल अग्रहरि व राजाराम अग्रहरि ने किया। इस मौके पर सभासद रमेश कौशल, सभासद ज्ञानचंद्र मोदनवाल, डा. ओमप्रकाश जायसवाल, वीरू कौशल, पवन अग्रहरि, राजेश अग्रहरि, शिवमूरत, सतीश, नन्हेंलाल, शकुंतला, आशा देवी, निशा, अमृत, राजकुमार आदि रहे।

अवध किसान सभा की बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रविवार को अवध किसान आंदोलन की सरजमी रूर में अवध किसान सभा की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया बैठक में क्षेत्रीय समस्याओं के निराकरण के लिए अब से विचार विमर्श किया गया पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य दिनेश सिंह ने बताया कि विकासखंड के निर्माण के लिए जल्द निर्माण की बात कैबिनेट मंत्री द्वारा कही गई है। वहीं शहीद स्थल के सौंदर्यीकरण का काम शासन द्वारा बजट के अभाव से काम न होने की बात सामने आई कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी राम प्रकाश पांडे पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य दिनेश सिंह, बाभनपुर प्रधान अरविंद वर्मा, पूर्व प्रधान रमेश बहादुर सिंह, रविशंकर मिश्रा, मोहित मिश्रा, विनय पटेल सहित दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

किसान मोर्चा के तत्वाधान में हुआ आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

पट्टी नगर, प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की अगुवाई में राम राज इंटर कॉलेज में आजादी के 75 वर्ष पर आयोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय मिश्रा की अगुवाई में लोगों ने सहभाहिता की और काकोरी कांड के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पंचायत के चेयरमैन खेदन लाल जायसवाल सभासद रमेश सोनी सभासद भोला नाथ सिंह मानिक लाल गुप्ता सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। जनसेवा स्वास्थ्य निकेतन के तत्वावधान में रखहा बाजार में आगामी 21 दिसंबर को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रयागराज के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर यू. पी. सिंह शिविर में आने वाले नेत्र रोगियों का इलाज करेंगे। संयोजक सुभाष सरोज ने बताया कि क्षेत्र के नेत्र रोगियों की आंखों की जांच के साथ ऑपरेशन भी किया जायेगा।

जन आरोग्य मेले में 119 मरीजों का हुआ इलाज

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 119 मरीजों का इलाज किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने मरीजों से ठंड के मौसम से बचाव की जानकारी देते हुए बुजुर्गों तथा बच्चों का उचित देखभाल करने की सलाह दी। सीएचसी बाबा बेलखरनाथ धाम के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दिलीपपुर में रविवार को आयोजित जन आरोग्य मेले में 74 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए इलाज किया गया। इसी तरह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दीवानगंज में 45 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें 6 पुरुष 30 महिलाएं तथा 9 बच्चे शामिल हैं। डॉक्टर अफजल तथा वीके सिंह ने जन आरोग्य मेले में आये मरीजों को ठंड से बचाव की जानकारी देते हुए उन्हें उचित सलाह दी। इस दौरान फार्मासिस्ट राम मनोहर, हरिहर प्रसाद तिवारी, एनम दीपिका मिश्रा, प्रेम नाथ मिश्रा, सरोज पांडे आदि मौजूद रहे।

पदाधिकारियों को सम्मानित करते सपा के पदाधिकारीगण

राजीव यादव बने समाजवादी पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला महासचिव

सपा कार्यालय पर 51 कमेटी सदस्यों की हुई घोषणा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर समाजवादी पार्टी जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी की अध्यक्षता में समाजवादी पिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मोहम्मद इरशाद कुरैशी ने जिला कमेटी की घोषणा की जिस का संचालन मैसर अली ने किया।इस दौरान राजीव यादव सोखा को जिला महासचिव, हकीमुद्दीन को जिला उपाध्यक्ष सहित 51 कमेटी सदस्य की घोषणा की गई। अध्यक्षता कर रहे अब्दुल कादिर जिलानी ने कहा कि भाजपा सरकार पिछड़ों के साथ अत्याचार कर रही है। सपा ही ऐसी पार्टी है जो पिछड़ों का हित और सम्मान की लड़ाई लड़ती है। जिला अध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ मोहम्मद इरशाद ने कहा कि प्रतापगढ़ की सीटों पर पिछड़ों ने सपा की तरफ मन बना लिया है। समाजवादी लोहिया वाहिनी में प्रदेश सचिव सद्दाम अहमद ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा पिछड़ों के पक्ष में कार्य किया है और मान सम्मान दिया है इसलिए पिछड़ा समाजवादी के साथ है। जिला पंचायत सदस्य मुन्ना ककरहा ने सभी पिछड़ा कमेटी सदस्यों को माला पहना कर स्वागत किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अंजुम हैदर, सौरव मौर्या, शहबाज सलमानी, प्रेम पटेल, सुनील कुमार यादव बीडीसी उदयपुर, प्रदीप यादव, शैलेश कुमार हसनैन, सागर, राहुल, अनिल, हरीश चंद्र पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

आयकर व ईडी का भय दिखाकर चुनाव जीतना चाहती है भाजपा : हार्दिक

कांधरपुर के मेला मैदान में कांग्रेस की जनसभा में बोलते गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के मंगरौरा ब्लाक के कांधरपुर गांव के मेला मैदान में आयोजित कांग्रेस की एक जनसभा में गुजरात प्रदेश के कार्यवाहक अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने कहा कि भाजपा ईडी व आयकर का भय दिखाकर चुनाव जीतना चाहती है।

आज उत्तर प्रदेश की जनता महंगाई व भ्रष्टाचार से परेशान है। लखीमपुर काण्ड की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की नृशंस हत्या करने की साजिश में देश के गृह राज्य मंत्री भी शामिल हैं, उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिये। उन्होंने कहा कि भाजपा में अन्तर्द्वन्द मचा हुआ है। अमित शाह योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री नहीं देखना चाहते। इसके अलावा भी प्रदेश में योगी का विरोध है। उन्होंने कहा कि भाजपा धर्म व जाति की राजनीति करती है। अगर कांग्रेस की सरकार बनी तो किसानों का कर्ज माफ होगा। हार्दिक पटेल कांग्रेस के सदर प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी की तारीफ करते हुए कहा कि हर समय कांग्रेस गरीबों के साथ खड़ी मिलेगी।

प्रारंभ में डा0 नीरज त्रिपाठी ने हार्दिक पटेल का स्वागत किया। सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डा0 लालजी त्रिपाठी तथा संचालन शहर अध्यक्ष इरफान अली ने किया। कांग्रेस के मंच पर जिलाध्यक्ष के अलावा सेवादल के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शुक्ला, डा0 प्रशांत देव शुक्ल, अजय कुमार सिंह आदि रहे। सभा में बड़ी संख्या में महिलाएं कांग्रेस का झण्डा लेकर आई थी।

कांधरपुर में आयोजित जनसभा में बोलते कांगेस अध्यक्ष हार्दिक पटेल

विकास के श्रोत मे हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर नजर आयेगा रामपुरखास : प्रमोद तिवारी

लखापुर-चाहिन तथा उदयपुर में सम्पर्क मार्ग का सीडब्ल्यूसी मेंबर ने किया भूमिपूजन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना द्वारा स्वीकृत कराई गई सड़क एवं पेयजल योजनाओं को लेकर रविवार को रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र मे सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने ग्रामीणों को पीने के पानी की शुद्ध उपलब्धता के लिए करोड़ो की लागत से दो पेयजल टंकियों व सम्पर्क मार्ग का समारोहपूर्वक भूमिपूजन किया।

सांगीपुर ब्लाक के लखापुर चाहिन मे प्रमोद तिवारी ने तीन करोड़ चालीस लाख चैबीस हजार की लागत जल मिशन योजनान्तर्गत पेयजल टंकी व राहाटीकर रेहुआ लालगंज हाइवे से पूरे गंगई लखापुर पिच मार्ग का विधायक मोना की ओर से भूमिपूजन किया। वहीं उदयपुर मे भी विधायक मोना की ओर से व्यापारियों तथा ग्रामीणों को पेयजल टंकी के निर्माण के लिए स्वीकृत परियोजना का भूमिपूजन करते हुए जलमिशन योजना को क्षेत्रवासियों को समर्पित किये जाने का ऐलान किया। उदयपुर मे आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि रामपुर खास को पेयजल तथा ग्रामीण बिजली एवं शिक्षा तथा हाइवे जैसी वृहद परियोजनाओं से जोडने का उददेश्य क्षेत्र को विकास के श्रोत की पूर्ति मे भविष्य के लिए आत्मनिर्भरता सौंपना है। जनसभा की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बब्लू व संचालन शिवशंकर सिंह ने किया। इस मौके पर जिपंस लल्लन सिंह, अशोकधर द्विवेदी, प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, सुधाकर पाण्डेय, हगपाल यादव आदि मौजूद रहे।

उदयपुर में पेयजल टंकी का भूमिपूजन करते सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी

धोखाधड़ी को लेकर दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने इकरारनामा का दुरूपयोग करते हुए आरोपी द्वारा पत्नी के नाम कूटरचित बैनामे को लेकर शनिवार की रात केस दर्ज किया है। सांगीपुर थाना के कोटवा शुकुलपुर हर्षपुर निवासी रामबहादुर सिंह की पत्नी कुसुम सिंह ने कोर्ट मे किये गये फरियाद मे कहा है कि उसने सांगीपुर के रंगौली निवासी राजाराम वर्मा पुत्र वैद्यनाथ को अपनी जमीन का इकरारनामा सौंपा था। आरोपी ने लालगंज रजिस्ट्री कार्यालय मे बतौर भूस्वामी उसे सूचना न देकर चोरी चुपके से अपनी पत्नी मिंटू देवी के नाम जमीन के एक अंश का धोखाधड़ी के जरिए बैनामा कर दिया। पीड़िता को जानकारी हुई तो उसने कई बार पुलिस को तहरीर सौपी। जांच के नाम पर पुलिस केस दर्ज करने मे आनाकानी कर रही थी। इसके बाद पीड़िता ने कोर्ट मे फरियाद लगाई।

जजेज कालोनी का उद्घाटन करते मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिन्दल

मुख्य न्यायमूर्ति ने जजेज कालोनी का किया उद्घाटन

लालगंज सिविल कोर्ट मे किया दो न्यायिक कक्षों का किया भूमिपूजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिन्दल रविवार को प्रातः प्रतापगढ़ पहुंचे। जिला जज संजय कुमार पाण्डेय के साथ वह नवनिर्मित जजेज कालोनी का उद्घाटन किया और कहा कि न्यायाधीश के लिये आवास बहुत जरुरी होता है क्योंकि जजेज अपनी न्याय व्यवस्था को बनाये रखने के लिये आम स्थानों पर नहीं रह सकते।

उन्होंने न्यायिक अधिकारियों हेतु निर्मित श्रेणी-5 के 24 आवासीय संकुल का फीता काटकर व विधि विधान से पूजन कर उद्घाटन किया गया। नवनिर्मित 24 आवासीय संकुल की लागत 1238.66 लाख रुपए है, इसका निर्माण कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद द्वारा किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम के उपरान्त मुख्य न्यायमूर्ति, प्रशासनिक न्यायमूर्ति, महानिबन्धक द्वारा दीवानी न्यायालय का जनपद न्यायाधीश के साथ भ्रमण किया गया। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों एवं बार के प्रतिनिधियों से मुलाकात भी की। इस अवसर पर न्याय पालिका के न्यायिक अधिकारी व वरिष्ठ अधिवक्तागण भी मौजूद रहे। जजेज कालोनी के उद्घाटन के बाद मुख्य न्यायमूर्ति ने लालगंज सिविल कोर्ट में दो न्यायिक कक्षों की आधारशिला रखी। वहीं मुख्य न्यायधिपति राजेश बिन्दल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के प्रशासनिक जज न्यायमूर्ति राहुल चतुवेर्दी तथा जनपद न्यायाधीश संजय शंकर पाण्डेय के साथ इन बनने वाले न्यायिक कक्षों की भी आधारशिला रखी। वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिन्दल के द्वारा आधारशिला रखते ही कार्यक्रम मे मौजूद अधिवक्ताओं के भी चेहरे खिल उठे। समारोह मे जिलाधिकारी डा. नितिन बंसल तथा एसपी सतपाल अंतिल ने जिला प्रशासन की ओर से मुख्य न्यायमूर्ति को बुकें भेंट कर स्वागत किया। मुख्य न्यायमूर्ति के सम्मान मे पुलिस सशस्त्र बल ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर के तहत विशेष सलामी भी प्रदान किया। स्थानीय दीवानी न्यायालय की सिविल जज ललिता यादव ने कार्यक्रम का संयोजन किया। आधारशिला को यादगार बनाने के लिए मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिन्दल तथा न्यायमूर्ति राहुल चतुवेर्दी व जिला जज संजय शंकर पाण्डेय ने परिसर मे पौधरोपण भी किये।

संकल्प दिवस के रुप में मनी पूर्व विधायक बाबूलाल की पुण्यतिथि

काव्य संध्या का भी हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रतापगढ़ के संस्थापक अध्यक्ष स्व बाबूलाल श्रीवास्तव की 27वीं पुण्य तिथि नगर के मालती इंटर कालेज के प्रांगण में संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बाबूगंज सागर अमेठी के पीठा धीश्वर 1008 स्वामी अभय चैतन्य, बालब्रह्मचारी, फलाहारी मौनी महराज रहे। मौनी महाराज ने स्व बाबूलाल श्रीवास्तव को भाव पूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए पितरों को याद करना जरूरी है। सनातन धर्म में पितरों को देवता के रूप में माना गया है। अपने माता पिता को देवता के रूप में मानना चाहिए माता पिता ही हर व्यक्ति के प्रथम देवता हैं। उन्होंने श्रद्धांजलि शब्द के एक एक अक्षर पर वृहद व्याख्या प्रस्तुत करते हुए उसकी सार्थकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश के पूर्व महामंत्री व बाल्यकाल से स्वयं सेवक रहे विंध्यवासिनी कुमार श्रीवास्तव ने स्व बाबूलाल श्रीवास्तव के अविस्मरणीय दृष्टांत को प्रस्तुत किया। पूर्व विधायक हरिप्रताप ने बाबूजी के जीवन गाथा पर चर्चा हुए बाबूजी के नाम से शीघ्र ही पीडब्ल्यू डी से विकास भवन जाने वाले मार्ग को स्व बाबूलाल श्रीवास्तव के नाम से किए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर धमार्चार्य ओम प्रकाश पांडेय रामानुजाचार्य ने बाबू जी के साथ अपने बिताए क्षण को बताया। इस अवसर पर जनपद के जाने माने मूर्धनय कवियों ने अपनी कविताओं से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया। आयोजित काव्य संध्या पर संचालन डॉक्टर श्याम शुक्ल ने किया। कवि अनूप उपाध्याय ने पिता और पुत्र के संस्कार पर आधारित अपनी ऐसी रचना प्रस्तुत की लोगों के आंखों से आंसू छलक पड़े। हिंदी काव्य के सशक्त हस्ताक्षर नागेंद्र अनुज ने अपनी काव्य पाठ से लोगो को अपनी ओर आकर्षित कर लिए। इस अवसर पर डॉक्टर ए.के .कुलश्रेष्ठ, अश्वनी केसरवानी, संजीव आहूजा, शरद केसरवानी, ओम प्रकाश त्रिपाठी,शिव मोहन मीना श्रीवास्तव,शिवानी मातन हेलिया, कैबिनेट मंत्री ग्राम्य विकास मोती सिंह के प्रतिनिधि विनोद पांडेय, डॉक्टर क्षितिज श्रीवास्तव, डॉक्टर अतुल श्रीवास्तव, अरुण श्रीवास्तव, अमितेंद्र श्रीवास्तव मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन स्व बाबूलाल श्रीवास्तव के सुपुत्र सेवा निवृत्त न्यायाधीश ज्ञान चंद्र श्रीवास्तव ने किया।

खबर संक्षेप

जहर डाल देने से तालाब में मरी मछलियां

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के नगर पंचायत चरवा के मीरन में स्थिति तालाब में कुछ अज्ञात लोगों ने पुरानी रंजिश को लेकर तालाब के पानी में जहर डाल दिया जिससे तलाब की मछलियां तड़प तड़प कर मर गई पूर्व ग्राम प्रधान मैकूलाल सरोज के नाम तालाब पट्टा हुआ था उसी तालाब में उन्होंने मछली पालन का व्यवसाय शुरू किया था लेकिन तालाब के पानी में जहर डाल देने से मछलियां मर गई है जिससे उनका व्यवसाय चौपट हो गया है।

प्राथमिक विद्यालय में घटिया चावल से बन रहा भोजन

कौशाम्बी। सिराथू तहसील के बिसारा स्थित प्राथमिक विद्यालय में बन रहे दोपहर भोजन में चावल की घटिया क्वालिटी के शिकायत छात्रों और अभिभावकों ने किया है। भ्रष्ट अधिकारी चंद पैसों के लालच में खराब चावल से बना भात बच्चों को खिला रहे है। खाना बनाने वाली दाई ने बताया कि कुछ दिन से चावल प्लास्टिक के जैसे आ रहा है। और उसका स्वाद भी नही है। इससे बच्चे बीमार पड़ने लगे हैं। महिला बावर्ची ने इसकी शिकायत अध्यापक से की है गांव के भवानी दीन और कंधई लाल ने भ्रष्ट अधिकारी और प्रधान पर आरोप लगाया है।

आजादी का अमृत महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

सामूहिक वंदेमातरम गायन और तिरंगा यात्रा से देशभक्ति में डूबे लोग

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। डायट मैदान में आजादी का अमृत महोत?सव के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न स्थानों से आए लोगों ने तिरंगा यात्रा और सामूहिक वन्देमातरम में प्रतिभाग किया। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत?सव के तहत मंझनपुर में सामूहिक वंदेमातरम गायन और तिरंगा यात्रा निकाली गई।इस यात्रा का सड़क पर मंझनपुर के निवासियों ने पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होकर भारत माता की जय के जयकारे लगाए।अमृत महोत्सव आयोजन समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न सामाजिक और सांस?कृतिक संगठनों ने भाग लिया देशभक?तों की वेशभूषा में सजे बच?चों ने लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता के रूप में आरएसएस के काशी प्रांत के मुख्य मार्ग प्रमुख भोलेंद्र जी ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरा देश स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहा है पर जरा चिंतन करें कि अंग्रेजों का क्रूर शासन कैसा था. भारत माता के गुमनाम बलिदानियों को श्रद्धा सुमन

तिरंगा यात्रा में शामिल विधायक वा आमजनमानस

अर्पित करें। उनके स्वप्न को पूरा करें। 75 वर्ष में हम कहां हैं।हमारा देश महान था है और रहेगा।उन्होंने कौशाम्बी के क्रांतिकारियों को रेखांकित करते हुए बताया कि दुर्गा भाभी ने स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सूबेदार मेजर शारदा प्रसाद वर्मा ने कहा कि विश्व का सबसे प्रसिद्ध व लोकप्रिय गीत हमारा राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम है। हम आज इस कार्यक्रम में आकर प्रफुल्लित हैं। आज यह भव्य कार्यक्रम अमर क्रांतिवीरों को सच्ची श्रद्धाजंलि है।कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए उन्हें नमन किया।इस अवसर पर पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन ओम दत्त त्रिपाठी ने किया व आभार ज्ञापन जिला प्रचारक प्रमोद जी ने किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक वन्दे मातरम गायन व भारत माता की आरती के साथ हुआ।इस अवसर पर अनीता त्रिपाठी, विधायक लालबहादुर विधायक शीतला प्रसाद पटेल विधायक संजय गुप्ता पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडेय पूर्व चेयरमैन दीपक केसरवानी कैलाश चंद्र दिलीप सिंह चंद्र दत्त शुक्ल सूबेदार सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

जनता के साथ छलावा करने तक सीमित है सरकार : विजय प्रताप

अखंड भारत संदेश

मंझनपुर के मेडरहा बाग में आयोजित बसपा की जनसभा में उमड़ा जन सैलाब भीड देख गदगद हुए सदस्य विधान परिषद कहा बसपा का लहराएगा परचम

कौशाम्बी। मंझनपुर विधान सभा के मेडहरा बाग में रविवार को बसपा की एक विशाल जनसभा हुई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद डॉ. विजय प्रताप ने केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार को आडे हाथ लिया। इतना ही नहीं उन्होंने सपा की भी बखिया उधेडी उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी व यूपी की योगी सरकार हर मोर्चे पर विफल है उन्होंने कहा कि सपा के शासन काल में गुंडो की भीड से आम जनमानस त्रस्त थी।

मेडरहा बाग में आयोजित बसपा की जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विजय प्रताप ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से झूंठे वायदे कर केंद्र की सत्ता तो हासिल कर लिया लेकिन अब 2022 के विस चुनाव में झूंठ की नइया उन्हें पार लगाने वाली नहीं है उन्होंने कहा कि गरीबों के अच्छे दिन लाने का वादा, विदेशों से काले धन वापस लाने का वादा, शिक्षित युवाओं को नौकरी देने का वादा, गरीबों के खातों में 15 लाख देने का झूंठा वादा भाजपा को ले डूबेगा। महंगाई पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश हो या फिर प्रदेश कभी इतनी

बसपा की जनसभा में उमड़ा अपार जनसैलाब का दृश्य

महंगाई से जनता त्रस्त नहीं हुई जितना कि इन पांच वर्षों में जनता त्रस्त है। गरीब दो जून की रोटी जुटाने में परेशान हैं वह बात अलग है कि एक युनिट पांच किग्रा राशन देने के बाद देश के पीएम पूरे माह उसके पेट का भोजन भरने की बात करते हैं कानून का राज नहीं है, महिलाएं, बेटियां सुरक्षित नहीं है, शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में दर-दर भटकते हैं इसके बाद भी भाजपा के जनप्रतिनिधि मंचों से झूंठा वायदा करने से बाज नहीं आ हैं। सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 2012 में जब प्रदेश में सपा की हुकूमत थी उस समय माफियाओं और गुंडों का राज चलता था। प्रदेश पूरी तरह से जंगलराज बन गया था। उन्होंने बसपा शासन काल को याद दिलाते हुए जनता से पूछा कि उस समय माफियाओं और गुंडों की जगह कहां होती थी जेल या फिर बंगला होती थी यह बात किसी से छिपी नहीं है बहन जी के शासन काल में कानून का राज था, माफिया और गुंडो अपराध करने से पहले जेल की सलाखों को याद कर कांप उठते थे। लेकिन आज प्रदेश में चहुंओर जंगलराज है। माफियाओं का बोलबाला है। इस मौके पर पूर्व रज्यमंत्री बाबूलाल भौंरा भी भाजपा सपा पर जमकर बरसे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बसपा नेत्री व मंझनपुर विधान सभा प्रत्याशी डॉ. नीतू कनौजिया ने कहा कि मेडरहा गांव में जिस तरह से यह ऐतिहासिक भीड पहुंची है इससे विपक्षियों के रोंगटे खडे हो गए। उन्होंने कहा कि इसी भीड की तरह आगामी 2022 के चुनाव में अपना अमूल्य मत बसपा के खाते में देकर प्रदेश में कानून और जनता का राज स्थापित करें। इस मौके पर जिलाध्यक्ष संतोष गौतम, वरिष्ठ बसपा नेता महेंद्र गौतम, चायल प्रत्याशी अतुल द्विवेदी, सिराथू प्रत्याशी संतोष त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष हरीलाल बौद्ध, मंझनपुर चेयरमैन महताब आलम, बंशीलाल के अलावा क्षेत्र की हजारों जनता मौजूद रही।

खेत में कब्जा का विरोध करने पर मां बेटियों को पीटा

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज पुलिस चौकी अंतर्गत कशिया पूरब ग्राम सभा की दलित आरती देवी पुत्री घनश्याम ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गांव के कल्लू और उनका बेटा मुकेश कुमार धर्मवीर तथा दीनबंधु उसका बेटा अनिल कुमार प्रार्थी के अधिया में लिए खेत में जबरिया कब्जा कर रहे हैं आरती देवी का कहना है कि जब उसने दबंगों को खेत में लकड़ी रखकर कब्जा करने से मना किया तो दबंगों ने आरती और उसकी मां सुनीता देवी को बेरहमी से पीटा है जिस पर मां बेटी को चोटे आई हैं पीड़ित बालिका का कहना है कि वह तहरीर लेकर मूरतगंज चौकी इंचार्ज के पास गयी थी लेकिन चौकी इंचार्ज ने उसकी सुनवाई करने के बजाय डांट कर भगा दिया है जिस पर वह न्याय की उम्मीद लेकर कोखराज थाने गई लेकिन वहां भी पीड़ित मां बेटी को डांट कर भगा दिया है पीड़ित बालिका ने एसपी से गुहार लगाते हुए आरोपियों के साथ साथ थाना और चौकी पुलिस पर कार्यवाही की मांग की है।

शक्ति विधान देगा आधी आबादी को पूरा अधिकार: कांग्रेस

अखंड भारत संदेश

जिला कांग्रेस कार्यालय में जारी हुआ 23 सूत्रीय घोषणा पत्र

कौशाम्बी। शक्ति विधान महिला घोषणा पत्र पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश की प्रभारी नेता श्रीमती प्रियंका गांधी जी की घोषणा है जिसमें देश की आधी आबादी देश की मातृ-शाक्ति स्वालम्बी अग्रणी श्रेणी में लाने के लिये आधारभूत आवश्यकता है। उस आधी आबादी को यह शक्ति विधान पूरा अधिकार देता है उक्त बातें पार्टी के जिलाध्यक्ष अरुण विद्यार्थी ने प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए कहा। इस मौके पर बोलते हुए पूर्व विधायक अनुसूचित जाति विभाग के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामसजीवन निर्मल ने कहा कि किसी भी दल ने राजनीतिक रूप से पहली बार अलग से महिलाओं के लिए घोषणा पत्र जारी किया है। जो यह दिखाता है कि कांग्रेस के लिए महिला जो कि देश की आबादी है। उसकी सशक्तिकरण पर क्या सोच है और कैसे महिला को शासक और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है शक्ति विधान के विषय में बोलते हुए पार्टी नेता वेद प्रकाश पाण्डेय सत्यार्थी ने कहा कि यह 23 घोषणा है कि नये सरकारी पदों में आरक्षण

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेता

प्रावधानों के अनुसार 40 प्रतिशत महिलाओं की नियुक्ति सभी सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य शिशु गृह कामकाजी महिलाओं के लिये 25 शहरों में सुरक्षित और नवीनतम सुविधाओं वाले छात्रावास कोविड-19 से प्रभावित महिलाओं के रोजगार के लिये वेतन सब्सिडी प्रत्येक बुजुर्ग महिला और विधवा को 1000 रुपए की मासिक पेंशन युवा अवस्था में विधवा हुई महिलाओं के लिए विशेष रोजगार प्रशिक्षण राज्य भर की सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा प्रत्येक ग्राम पंचायत में महिला चौपाल का निर्माण हर साल महिलाओं को तीन गैस सिलेण्डर मुक्त गरीब परिवारो को इण्टरनेंट मुक्त व्यक्तिगत और समूहो का माइक्रोफाइनेन्स क्षेत्र में प्रशिक्षण व अवसर घरेलू हिंसा और नशे से निपटने के लिए प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ता की नई योजना महिलाओ के लिए निजी क्षेत्र या अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी में 10 विश्वस्तरीय खेल अकदमी आश्रित महिलाओं के परित्याग के मामलों कानूनी सहायता समिति।राज्य भर में वीरांगनाओं के नाम पर 75 दक्षता विद्यालय परिवार में पैदा होने वाली प्रत्येक महिला के लिये एफडी तथा 10 प्लस 2 में प्रत्येक लड़की को स्मार्ट फोन माध्यमिक विद्यालयों में बालिकाओं को आय वर्ग के अनुसार छात्रवत्ति स्नातक कार्यक्रमों में नामांकित प्रत्येक लड़की स्कूटी नये सरकारी पदों में आरक्षण प्रावधानों के अनुसार 40 प्रतिशत आरक्षण घरेलू हिंसा, यौन उप्पीडन और निराश्रित महिलाओं के लिये राज्य और जिला स्तर की हेल्प लाईन 50 प्रतिशत तक महिलाओं को नौकरी देने वाले व्यवसायों को कर में छूट और सहायता पुरूष केंद्रित नौकरियों जैसे परिवाहन विभाग में ड्राईवर आदि में महिलाओं के लिए विशेष को विशेष भर्ती अभियान के तहत नौकरी दिलाने का काम किया जाएगा। इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आधी आबादी को मजबूत करने के लिए उन्हें पूरा अधिकार देने के लिए कांग्रेस पार्टी मजबूती से लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। इस मौके पर प्रमुख रूप से अरुण विद्यार्थी, राम सजीवन निर्मल, वेद प्रकाश सत्यार्थी, तमजीद अहमद, शाहिद सिद्धकी भारत गौतम मोहम्मद अवेस, इजहार अब्बास, श्रद्धा पांडेय, स्वर्ण लता सुमन रजनीश पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बिजली के क्षतिग्रस्त पोल से किसी समय हो सकता है बड़ा हादसा

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद अंतर्गत बी एस मेहता महा विद्यालय के अंदर विधुत लाइन का दो पोल क्षतिग्रस्त होकर टेड़ा हो गया है जो किसी भी समय टूटकर गिर सकता है जिसकी सूचना विधुत विभाग को कालेज द्वारा दी जा चुकी है इसके बाद भी विधुत विभाग ने पोल को बदलने में कोई रुचि नही दिखाई यहा यह भी बताना आवश्यक है कि आगामी बीस दिसम्बर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रयागराज के परेड ग्राउंड में विशाल रैली का कार्यक्रम है जिसमे बी एस मेहता महाविद्यालय भरवारी में भी जनपद हापुड़ से आने वाली छह सौ महिलाओं का रेन बसेरा बनाया गया है भाजपा नेताओं के रैन बसेरा में ठहरने के मामले को लेकर प्रशासन कोई कमी नही रखना चाहता उसके बाद भी यह बिजली का पोल टूटकर एक दूसरे के ऊपर टिका हुआ है जिससे बड़ी घटना घट सकती है ऐसे में यदि प्रशासन ने इस खबर को संज्ञान ले लिया तो विधुत विभाग के जिम्मेदारों के ऊपर गाज गिरना तय है। इतना ही नही मेहता महाविद्यालय में प्रतिदिन सैकड़ो छात्र छात्राये शिक्षा ग्रहण करने विद्यालय आती है टूटे विद्युत पोल से हमेशा छात्र और छात्राओं के सर पर संकट मंडराता रहता है लेकिन इस गंभीर संकट के प्रति विद्युत विभाग उदासीन है किसी भी समय बड़ी घटना घटने से इंकार नही किया जा सकता।

न्यूज झरोखा

तहसील प्रेस क्लब संगठन के पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

पत्रकार अमरनाथ झा के खिलाफ विधायक द्वारा लिखाए गए मुकदमे को वापस करने की उठाई मांग

कौशाम्बी। बीजेपी विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता के खिलाफ शनिवार को पत्रकारों ने चायल तहसील में जमकर विरोध प्रदर्शन किया बीजेपी विधायक के खिलाफ चलाए गए खबर के द्वेषभावना के चलते वरिष्ठ पत्रकार अमरनाथ झा के खिलाफ कोखराज थाने में दर्ज कराए गए मुकदमा के खिलाफ पत्रकारों ने अपनी आवाज बुलंद की तहसील प्रेस क्लब व विश्व पत्रकार संगठन के बैनर तले जुटे सैकड़ो पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपते हुए झूंठा मुकदमा तत्काल वापस लिए जाने और बीजेपी विधायक संजय कुमार गुप्ता के खिलाफ जांच की मांग की है। तहसील प्रेस क्लब के अध्यक्ष सईदुर्रहमान ने प्रशासन को खुली चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द पत्रकार पर दर्ज कराया झूंठा मुकदमा वापस नही लिया गया तो पत्रकार संगठन उग्र प्रदर्शन करने पर मजबूर होगा। इस मौके पर तहसील प्रेस क्लब के अध्यक्ष सईदुर्रहमान, विश्व पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुशवाहा, राकेश केशरवानी, अमरनाथ झा, सचिव गुलाम हसन, अनूप केशरवानी निरंजन कुमार राकेश दिवाकर मानसिंह घनश्याम कुमार सचिन दिवाकर हेलो के यादव लवकुश यादव शिवराज यादव सब्बर अली,मंजीत सिंह, राजकुमार, बृजेंद्र केसरवानी, मदन केसरवानी ,गणेश साहू, समीर अहमद, विजय कुमार, त्रिभुवन लाल, सहित सैकड़ों पत्रकार मौजूद रहे।

डायट में पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

कौशाम्बी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंझनपुर में शनिवार को पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ।प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य स्वराज भूषण त्रिपाठी ने कहा कि 3-9 आयु वर्ग के बच्चों की फॉउंडेशनल लिटरेसी एंड नुमरेसी (एफएलएन) स्किल्स अथवा मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान कौशाल को सुदृढ़ करने के लिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एफएलएन स्किल्स का अर्थ कक्षा 3 के किसी बच्चे द्वारा पाठ को उसके अर्थ के साथ पढ़ने और बुनियादी गणित की समस्याओं को हल करने की क्षमता से संदर्भित है।यह नेशनल इनिशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमरेसी (निपुण (एनआईपीयूएन) भारत), नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है जो एफएलएन स्किल्स को काफी अधिक महत्व देती है।

मास्टर ट्रेनर अरमा देवी ने कहा कि छात्रों को शैक्षणिक सफलता के लिए आवश्यक मूलभूत कौशल हासिल करने के लिए तैयार किया जाएगा। मूलभूत साक्षरता में मौखिक भाषा का विकास, डिकोडिंग, प्रवाह के साथ मौखिक पाठन, पाठ को समझ के साथ पढ़ना और लेखन कौशल शामिल हैं।ट्रेनर डॉ0देवेन्द्र मिश्र ने बताया कि यह कार्यक्रम मूलभूत संख्यात्मकता, संख्यात्मक विधियों और विश्लेषण का उपयोग करके दिन-प्रतिदिन की समस्याओं को हल करने की क्षमता पर आधारित है। प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण में जनपद के सभी विकासखंडों के एआरपी मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किए गए। कार्यक्रम के समापन पर वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ एके श्रीवास्तव, अनामिका शर्मा,कौशलेंद मिश्र, विवेक श्रीवास्तव,दिलीप तिवारी, ओमप्रकाश सिंह, राजेंद्र भारती,राज किशोर शुक्ला, रमेश सिंह, ओम दत्त त्रिपाठी, उमेश चंद्र तिवारी, आशुतोष शुक्ला,अतुल प्रकाश प्रजापति, अनूप कुमार वर्मा सहित अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई : योगेश मौर्य

इमामगंज कौशाम्बी। सिराथू विधानसभा क्षेत्र के दरियापुर मझियावां, मसीपुर, रसूलपुर गिरसा, चक चमरूपुर, उसरा आदि ग्राम सभाओं में जाकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के पुत्र योगेश मौर्या ने हर बूथ अपना यूथ कार्यक्रम के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया इस मौके पर उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए योगेश मौर्या ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान कर देश विरोधी शक्तियों को करारा जवाब देकर देश को मजबूत करें इस मौके पर आम जनमानस ने अधिकारियों के तानाशाही और विकास योजनाओं में धांधली की शिकायत योगेश मौर्या से की जिस पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की जनोपयोगी विकास योजनाओं को बाधित कर रहे भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध त्वरित कठोर कार्यवाही होगी इस मौके पर भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य राजेंद्र बहादुर व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री मोहम्मद अकरम गुड्डन तिवारी शिव बाबू श्रीवास्तव रामू विश्वकर्मा, दुर्गा प्रसाद, सुनील साहू सहित पदाधिकारी कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

कस्तूरबा कालेज के लिपिक ने किसके संरक्षण में छात्राओं से वसूला नौ लाख की रकम

नवनीत कुमार को संरक्षण देने वाले लोग जांच अधिकारियों को भी प्रभावित करने का करते हैं प्रयास

कौशांबी। कभी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर शिक्षा देने के लिए विख्यात कस्तूरबा गांधी बालिका इंटर कॉलेज भरवारी इन दिनों प्रबंध तंत्र के विवाद से जूझ रहा है विद्यालय में बर्खास्त प्रधानाचार्य नीलम देवी जबरिया कब्जा करना चाहती हैं वहीं विद्यालय के कर्मचारी नवनीत कुमार ने स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं से प्रति छात्र 400 रुपये की रकम अवैध तरीके से वसूली कर ली है 9 लाख 29 हजार रुपए की अवैध वसूली का नवनीत पर गम्भीर आरोप है। स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं और उनके अभिभावकों द्वारा बताया जाता है कि स्कूल के कर्मचारी नवनीत कुमार ने स्कूल की 300 से अधिक छात्राओं से प्रत्येक छात्र 400 रुपए की रकम अवैध तरीके से वसूली की है इतना ही नहीं 1570 छात्राओं से अतिरिक्त 400 रुपए की वसूली कर 6 लाख 28 हजार की रकम नवनीत ने वसूली कर ली है एडमिशन फार्म के साथ भी 312 छात्राओं से नवनीत ने अवैध वसूली की है वसूली के मामले में नवनीत ने कस्तूरबा कॉलेज की निष्पक्ष व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है मामले की शिकायत आला अधिकारियों से हुई प्रधानाचार्य रेखा सिंह की जांच के दौरान कर्मचारी नवनीत कुमार पर 9 लाख 29 हजार रुपए की अवैध वसूली की पुष्टि हुई लेकिन रकम वापस करने का निर्देश दिए जाने के बाद भी अवैध वसूली की रकम छात्राओं को वापस नहीं हो सकी है बताया जाता है कि कस्तूरबा कॉलेज की प्रधानाचार्य रेखा सिंह ने सूचना पट पर निर्देश चस्पा कर अवैध धन जमा करने से मना किया है लेकिन फिर भी नवनीत कुमार बेखौफ तरीके से विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को डरा धमका कर भय दिखाकर बेखौफ तरीके से अवैध धना दोहन कर रहा है आखिर नवनीत कुमार को किस का संरक्षण प्राप्त है यह लोगों के बीच चर्चा का विषय है अवैध तरीके से धना दोहन में लिप्त नवनीत कुमार के कारनामे को जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया तो नवनीत कुमार पर कानून की गाज गिरना तय है लेकिन सवाल उठता है कि अवैध वसूली में लिप्त नवनीत कुमार को संरक्षण देने वाले लोग तरह तरह के दबाव डालकर जाँच अधिकारियों को भी प्रभावित करने का प्रयास कर सकते हैं नवनीत कुमार द्वारा विभिन्न वसूली के कारनामों की शिकायत प्रधानाचार्य रेखा सिंह ने प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्यों को पत्र भेजकर किया है प्रबंध कार्यकारणी के साथ साथ शिक्षा अधिकारियों ने जांच कराई तो जहां नवनीत की अवैध वसूली का खुलासा होगा वही नवनीत कुमार पर गम्भीर आरोप तय माना जा रहा है।

जनसंवाद : विधायक संजय गुप्ता ने योगी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया

विधायक ने देवदानी गया प्रसाद यादव को माला पहनाकर व अंग वस्त्र देकर किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने रविवार को विधानसभा चायल के मूरतगंज ब्लाक के जलालपुर बोरियो में रामभवन सरोज के अगुवाई में जनसंवाद का कार्यक्रम किया।जनसंवाद के दौरान विधायक चायल संजय गुप्ता ने कहा कि आज योगी सरकार ने गरीब किसान नौजवान के लिए कई कल्याणकारी योजनाये चलाकर आम जनमानस के हित में काम किया है। इस मौके पर उपस्थित लोगों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी भयावाह महामारी आने के बाद भाजपा सरकार ने मुफ्त राशन दे कर गरीबों को सहायता देने का काम किया है और किसानों को किसान सम्माननिधि जैसी योजनाए चलाकर किसान हित में भाजपा सरकार ने काम किया है विधायक संजय गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से कई गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए तत्काल

जनसंवाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए चायल विधायक संजय गुप्ता

धन आवंटन कर बीमार लोगों को राहत प्रदान किया गया है विधायक ने योगी और मोदी की सभी योजनाओं को एक-एक करके गिनाया, विधायक श्री गुप्ता ने कार्यक्रम में मौजूद देवदानी गया प्रसाद यादव को माला पहनाकर अंग वस्त्र से सम्मानित किया साथ ही विधायक ने वहां पर उपस्थित बेटियों से कुछ प्रश्नोत्तरी करते हुए अपने देश और प्रदेश व जिले के बारे में पूछा विधायक ने सभी बच्चियों को पुरस्कृत करते हुए एक एक बैग उपहार में दिया जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला महामंत्री दीपचंद्र दिवाकर,पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष काजू राममिलन चौधरी, जिला महामंत्री सूरज यादव, जिला पंचायत सदस्य रामनरेश पासी, राजन सरोज, भूत अध्यक्ष सतीश श्रीवास्तव, रामभवन सरोज बीरेंद्र फौजी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरविंद शर्मा पवन त्रिपाठी राहुल मिश्रा दयाराम पाल पंकज सिंह महफूज आलम सहित हजारो स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

नमकीन सोहन पपड़ी खुरमा में कबाड़ की हो रही मिलावट

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिले के भरवारी मनौरी मंझनपुर ओसा सराय अकिल मूरतगंज सहित विभिन्न कस्बों में नमकीन खुरमा सोहन पापड़ी बनाने के दर्जनों अवैध कारखाने चल रहे हैं गजब की बात तो यह है कि इन कारखानों की आड़ में बड़े पैमाने पर जहां जीएसटी की चोरी हो रही है वही नमकीन सोहन पापड़ी खुरमा आदि चीज के कारखानों में बड़ी मात्रा में मिलावट खोरी होती है घटिया क्वालिटी के तेल से नमकीन खुरमा सोहन पापड़ी बनाई जा रही है बेसन के बजाय चावल पीसकर रंग डालकर नमकीन के सेव बनाए जा रहे हैं इसी तरह सेरखाडी पत्थर पीसकर पाउडर नमकीन और खुरमा में मिलाया जा रहा है लेकिन खाद्य विभाग की टीम केवल महीना लेने तक सीमित है मार्केट में घटिया क्वालिटी की नमकीन खुरमा सोहन

पापड़ी किराने की दुकानों में खुलेआम बेची जा रही है मिलावट खोरी के चलते खुरमा सोहन पापड़ी और नमकीन खाने वाले तमाम लोग बीमारी के शिकार हो रहे हैं जिससे चिकित्सकों का ब्यापार भी बढ़ रहा है लेकिन मिलावट खोरी कर सप्लाई करने वाले फैक्ट्री संचालकों पर फूड अधिकारी मेहरबान है मिलावट खोरी करने वालों पर आला अधिकारी कब कठोर कार्रवाई कराते हुए मिलावट खोरों से रिश्ता रखने वाले फूड इंस्पेक्टर पर निलंबन की कार्रवाई करेंगे जनता इसका इंतजार कर रही है।

सम्पादकीय

लड़कियों के लिए सही फैसला

हिंदुस्तान में अमूमन लड़कियों को पराए धन की तरह बताया जाता है और बहुत बार उन्हें बोझ माना जाता है। घर की बेटियों की जल्द से जल्द शादी करवाने की कोशिश रहती है, ताकि वो ससुराल जाकर अपना घर संभाले। लेकिन जिस घर में जन्म लिया, वहां से जल्द से जल्द विदा करने की यह रस्म कई बार सामाजिक कुरीतियों को जन्म देती है। इससे लड़कियों की शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, सामाजिक स्थिति कई बार प्रभावित होती है। अपने ही परिजनों के अनकहे शोषण का शिकार लड़कियां होती हैं। यह स्थिति बदल सकती है, अगर लड़कियों को पूरी तरह सक्षम और आत्मनिर्भर बनाया जाए। इसलिए देश में कई बार लड़कियों की शादी की सही अवस्था को लेकर विमर्श हुआ। कई कोशिशों के बाद बाल विवाह पर काफी हद तक रोक लगाई गई है। लड़कियों की शादी की उम्र भी 12 की जगह 18 वर्ष की गई और अब इसमें एक बड़ा बदलाव करते हुए मोदी केबिनेट ने बुधवार को फैसला लिया है कि लड़कियों की शादी की उम्र भी लड़कों के बराबर यानी 21 वर्ष की जाए। केबिनेट की इस प्रस्ताव के बाद अब लड़कियों की शादी की उम्र में बदलाव के लिए सरकार मौजूदा कानूनों में संशोधन करेगी। गौरतलब है कि पिछले साल 15 अगस्त के मौके पर अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात का जिक्र किया था और उम्र को बढ़ाने की बात कही थी। इसके बाद जया जेटली की अध्यक्षता में 10 सदस्यों की टास्क फोर्स का गठन किया गया। इस टास्क फोर्स का गठन मातृत्व की उम्र से संबंधित मामलों, मातृ मृत्यु दर को कम करने की आवश्यकता, पोषण में सुधार से संबंधित मामलों की जांच के लिए किया गया था। रिपोर्ट में जेटली ने कहा है कि हमारी सिफारिश के पीछे का तर्क कभी भी जनसंख्या नियंत्रण का नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण द्वारा जारी हालिया आंकड़ों ने पहले ही संकेत दिए हैं कि कुल प्रजनन दर घट रही है और जनसंख्या नियंत्रण में है। जया जेटली ने कहा कि हमारी सिफारिश विशेषज्ञों के साथ व्यापक परामर्श के बाद और अधिक महत्वपूर्ण रूप से युवा वयस्कों, विशेष रूप से युवा महिलाओं के साथ चर्चा के बाद हुई। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि यह फैसला सीधे तौर पर उन्हें प्रभावित करता है। हमें 16 विश्वविद्यालयों से जवाब मिले और युवाओं तक पहुंचने के लिए 15 से अधिक गैरसरकारी संगठनों को शामिल किया गया है। ग्रामीणों के साथ ही पिछड़े वर्ग और सभी धर्मों और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से फीडबैक लिया गया। इसमें सामने आया है कि शादी की उम्र 22-23 वर्ष होनी चाहिए। समिति ने सिफारिश की है कि निर्णय की सामाजिक स्वीकृति को प्रोत्साहित करने के लिए एक व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों के मामले में परिवहन सहित लड़कियों के लिए स्कूलों और विश्वविद्यालयों तक पहुंच की भी मांग की है। समिति ने यौन शिक्षा को औपचारिक रूप पढ़ाने और स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की है। पॉलिटेक्निक संस्थानों में महिलाओं के प्रशिक्षण, कौशल और व्यवसाय प्रशिक्षण और आजीविका बढ़ाने की भी सिफारिश की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विवाह योग्य आयु में वृद्धि को लागू किया जा सके। सिफारिश में कहा गया है कि अगर लड़कियां दिखा दें कि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं, तो माता-पिता उनकी जल्दी शादी करने से पहले दो बार सोचेंगे। लड़कियों की शादी की सही उम्र और प्रगति के अन्य पहलुओं पर सरकार की यह पहल स्वागत योग्य है और समय के अनुकूल भी है। लड़कियां उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ-साथ अपनी योग्यताओं को विस्तार देने के लिए और अधिक वक्त मिलना चाहिए। जिस तरह लड़कों को आत्मनिर्भर होना जरूरी माना जाता है, उसी तरह अगर लड़कियों को भी अपने पैरों पर खड़े होने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें इसके लिए सुविधाएं दी जाएं, तो आगे जाकर कई तरह की तकलीफों से उन्हें बचाया जा सकता है। एक स्वस्थ समाज के लिए भी यह जरूरी है कि लड़के और लड़की में हर तरह से समानता रहे, इस पर केवल जुबानी जमा खर्च न हो। आजादी के पहले से देश में लड़कियों के उत्थान की कोशिश समाजसुधारकों ने की है। राजा राममोहन राय ने सती प्रथा रुकवाई। ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले ने स्त्री शिक्षा को आगे बढ़ाया। राय साहब हरविलास शारदा के प्रयत्नों से 1927 में बाल विवाह रोकने का विधेयक पेश हुआ, जिसमें विवाह के लिए लड़कों के लिए न्यूनतम उम्र 18 और लड़कियों के लिए 14 साल करने का प्रस्ताव रखा गया और साल 1929 में यह कानून बना। इससे पहले लड़कियों की शादी की उम्र 12 साल मानी जाती थी। शारदा एक्ट बना तो बाल विवाह रोकने में मदद मिली, इसके बाद इस कानून में कई संशोधन हुए। आजादी के बाद साल 1978 में लड़कों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल कर दी गई। हालांकि, इस वक्त तक इस खास ध्यान नहीं दिया जाता था और ना ही ज्यादा सजा आदि का प्रावधान था। साल 2006 में इसकी जगह बाल विवाह रोकथाम कानून लाया गया, इसके तहत लड़के और लड़कियों की शादी की न्यूनतम आयु को तय किया गया है। इसके बाद से इससे कम उम्र में शादी करना गैर-कानूनी माना गया है और सजा के साथ जुमार्ने के भी प्रावधान है। अब देखना होगा कि मोदी सरकार लड़कियों की शादी की उम्र में संशोधन के कानून में किस तरह के प्रावधान रखती है। यह कानून तभी प्रभावकारी साबित होगा, जब रूढ़िवादी सोच को छोड़कर लड़कियों के विकास के लिए खुले मन से समाज इसे स्वीकार करेगा।

हमारे युद्ध और युद्धों की हमारी यात्रा

आर.के. सिन्हा

युद्धों के वृत्तांत या रिपोर्ताज पहले भी लिखे जाते रहे हैं। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के संदर्भ में शिवसागर मिश्र के लड़ेंगे हजार साल को भुलाया नहीं जाना चाहिए। इसका शीर्षक ही मनुष्य की युद्धवृत्ति और युद्ध नियति का उद्घोष करता है। वास्तव में रिपोर्ताज को तो युद्ध की ही उपज माना गया। रेणु ने दूसरे विश्व युद्ध के संदर्भ में धर्मयुग में ही लिखा था- गत महायुद्ध ने चिकित्सा के चीर-फाड़ विभाग को पेनिसिलीन दिया और साहित्य के कथा विभाग को रिपोर्ताज। मलेश्वर ने कितने पाकिस्तान में इस बात को गंभीर और ठोस ढंग से उठाया था कि पाकिस्तान दुनिया का पहला और संभवतः इकलौता ऐसा देश था, जो एक धर्म के आग्रह या जिद के आधार पर बना। लेकिन पूर्वी पाकिस्तान में इस्लाम यानी धर्म के बरक्स बांग्ला यानी सभ्यता अधिक दृढ़ थी। जड़ों से जुड़कर जब विचार का पल्लवन होता है, तो क्रांति होती ही है और ऐसा ही एक मोड़ ठीक पचास साल पहले इतिहास में आया था। अपने भाषण में शेख मुजीब ने साफ कहा कि पाकिस्तान का हमारे लिए कोई विशेष अर्थ नहीं। वह भी अन्य विदेशी राष्ट्रों की तरह एक विदेशी राष्ट्र है। बांग्लादेश पूर्ण स्वतंत्र राष्ट्र है, जहां प्रजातांत्रिक पद्धति चलेगी और मजहब के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। यह दक्षिण एशिया में धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के लिए बड़ा ऐतिहासिक क्षण था। 25 मार्च 1971 को पश्चिम पाकिस्तान के ऑपरेशन सर्चलाइट से एक युद्ध शुरू हुआ था, जिसे भारत-पाकिस्तान के बीच तीसरा युद्ध भी कहा जाता है, लेकिन यह वास्तव में था- मुक्ति संग्राम। उसी साल 16 दिसंबर का संग्राम की परिणति यह थी कि बांग्लादेश एक मुक्त राष्ट्र घोषित हुआ। एक शिशु के जन्म के लिए नौ माह का गर्भ और असहनीय प्रसव पीड़ा आवश्यक होती है, लेकिन जब एक राष्ट्र को जन्म लेना हो, तो यह पीड़ा पूरी मानवता एक विराट स्तर पर महसूसती है। यहां अमानुषिकता के विरुद्ध मानवता का संघर्ष इतिहास रचता है। उस समय के अनेक सृजनधर्मियों ने चीन्हा था कि वह इतिहास का गर्भकाल था। धर्मवीर भारती ने न केवल उस समय को दर्ज करने का बीड़ा उठाया, बल्कि उनकी जिजीविषा और दृष्टि यह थी कि संग्राम को आंखों देखकर देश-दुनिया तक पहुंचाया जाए। उन्होंने निश्चय किया था कि वह आंखों को कैमरा और शब्दों को स्क्रीन बना देंगे। धर्मयुग के संपादक के रूप में ख्यातिलब्ध भारती ने युद्ध के मोर्चे पर जाकर, सैनिकों, मुक्तिवाहिनी के जवानों, सेना के आला अफसरों आदि के साथ संग्राम के अंतिम 10 से 15 दिन जिस तरह गुजारे, उसी का शब्द चित्र है युद्ध यात्रा। 1971 और 1972 में ये तमाम बातें धर्मयुग के पन्नों पर छपी थीं, जिन्हें 2020 में उस समय किताब की शक्ल में लाया गया, जब समूची मानवता एक वायरसजनित हालात के विरुद्ध युद्ध कर रही थी। भारत में बांग्लादेशियों की मौजूदगी और बेदखली को लेकर शासन व नागरिकों के बीच संघर्ष थे, भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव की स्थिति थी और कूटनीति बता रही थी कि चीन किस तरह बांग्लादेश को भारत के विरुद्ध इस्तेमाल कर सकता है। अघोषित युद्ध काल में उस वास्तविक युद्ध की यात्रा के पन्नों से बींधने पर कहीं मन में यह अवश्य रह जाता है कि बाहरी युद्ध अलग है, भीतरी युद्ध बहुत अलग। भारतीय होने के नाते आज सारे संसार के समक्ष मैं सिर ऊंचा करके पूछ सकता हूं कि है कोई ऐसा देश, जिसके जवानों ने बिना अपना कोई स्वार्थ आरोपित किये अपने बन्धु देश की मुक्ति के लिए उसकी धरती को अपना रक्तदान किया हो भारती उस युद्ध की यात्रा में इस भाव को खोज सके, तत्कालीन मुक्तिवाहिनी के मुस्लिम और हिंदू जवान बन्धुत्व के भाव को जी सके, वे हजारों भारतीय सैनिक रक्तदानी हो सके, तो इसका एक बड़ा कारण यही था कि युद्ध केवल बाहरी स्तर पर लड़ा जा रहा था, भीतरी नहीं। हालांकि सूरज का सातवां घोड़ा के लेखक रहे भारती इस युद्ध यात्रा में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अर्थशास्त्रीय समीकरणों और तत्कालीन विदेश नीति जैसे बिंदुओं पर न तो मुखर दिखते हैं और न ही इनके संकेत देने में दरियादिली दिखाते हैं। जहां आग और धुएं, लाशों और धमाकों के बीच भारती को कायदे आजम

धर्मवीर भारती ने न केवल उस समय को दर्ज करने का बीड़ा उठाया, बल्कि उनकी जिजीविषा और दृष्टि यह थी कि संग्राम को आंखों देखकर देश-दुनिया तक पहुंचाया जाए। उन्होंने निश्चय किया था कि वह आंखों को कैमरा और शब्दों को स्क्रीन बना देंगे। धर्मयुग के संपादक के रूप में ख्यातिलब्ध भारती ने युद्ध के मोर्चे पर जाकर, सैनिकों, मुक्तिवाहिनी के जवानों, सेना के आला अफसरों आदि के साथ संग्राम के अंतिम 10 से 15 दिन जिस तरह गुजारे, उसी का शब्द चित्र है युद्ध यात्रा। 1971 और 1972 में ये तमाम बातें धर्मयुग के पन्नों पर छपी थीं, जिन्हें 2020 में उस समय किताब की शक्ल में लाया गया, जब समूची मानवता एक वायरसजनित हालात के विरुद्ध युद्ध कर रही थी।

जिन्ना लिखा हुआ कोई बोर्ड दिखाई देता है; या जहां मां काली की कसम, बोलो नारा ए तकबीर जैसा मिला जुला नारा सुनाई देता है; और जहां जहां भारतीय होने के नाते जंग के लड़ाकों की वीरगाथा वर्णित है, वहां गुनाहों का देवता वाले भारती का रूमान अधिक नजर आता है। जॉर्ज बर्नार्ड शॉ दूसरे विश्व युद्ध से पहले ही युद्धों को जिस तरह एक प्रोफेशन और सोल्जर को एक प्रोफेशनल की तरह स्थापित कर चुके थे, उस दृष्टिकोण के सामने यह संग्राम कथा वाकई किसी रोमांचक फिल्म की पटकथा से कम नहीं दिखती। गुलेल से हेलीकॉप्टर ध्वस्त कर देने या एक मरियल से ग्रामवासी का अपनी सेना के लिए दुश्मन सेना से मार खाकर भी संदेश ले आना-ले जाना, जैसे किस्से पटकथा में रोचकता बनाये चलते हैं। पुस्तक के रूप के बारे में हिंदी में रिपोर्ट लिखा गया है और अंग्रेजी में ट्रैवलॉग। भूल से या अनजाने हुआ हो, लेकिन सच है कि यह पुस्तक इन दोनों शैलियों का मिश्रण है। केवल रिपोर्ताज के पैमाने पर भी इसमें कमियां निकलेंगी और केवल यात्रा वृत्तांत के पैमाने पर भी। मिश्रण के रूप में यह पुस्तक उदाहरण बन जाती है। युद्धों के वृत्तांत या रिपोर्ताज पहले भी लिखे जाते रहे हैं। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के संदर्भ में शिवसागर मिश्र के लड़ेंगे हजार साल को भुलाया नहीं जाना चाहिए। इसका शीर्षक ही मनुष्य की युद्धवृत्ति और युद्ध नियति का उद्घोष करता है। वास्तव में रिपोर्ताज को तो युद्ध की ही उपज माना गया। रेणु ने दूसरे विश्व युद्ध के संदर्भ में धर्मयुग में ही लिखा था- गत महायुद्ध ने चिकित्सा के चीर-फाड़ विभाग को पेनिसिलीन दिया और साहित्य के कथा विभाग को रिपोर्ताज नेपाली क्रांति कथा के लेखक का यह वाक्य इतना दूरदर्शी था कि फिर साहित्य में रिपोर्ताज का पल्लवन कथा शैली में होता रहा और इसमें युद्ध जैसी स्थितियों की कहानी कहना श्रेयस्कर रहा। जब हमारी खोज प्रेम की ही होती है, तो हम कहानी युद्ध की क्यों कहते हैं क्या शांति का मार्ग युद्ध से बचकर संभव नहीं है ऐसे अनेक शाश्वत प्रश्न खड़े हो जाते हैं, जब हम युद्ध की किसी भी कथा या यात्रा से रूबरू होते हैं। खुद भारती भी इस यात्रा के अंतिम पन्नों तक आते-आते युद्ध के दृश्यों से हताहत अनुभव कर एक पूरे पन्ने में लिख पाते हैं कि युद्ध किसी भी लक्ष्य के लिए हो, कोई भी करे, रक्त गाथा निर्दोष बच्चों, विवश औरतों और सभ्यता की नींव को पुख्ता करने वाले किसानों, शिल्पियों, कामगारों की छाती पर ही लिखी जाती है। भारती जहां लिखते हैं, किसी ने यह क्यों नहीं लिखा कि परम घृणा भी कहीं हमें अपनी घृणा के लक्ष्य से बड़े रहस्यमय ढंग से जोड़ जाती है या जहां वह अमानुषिक प्रवृत्ति को समझने के लिए उस विचार प्रक्रिया के भीतर न पैठ पाने की बेचैनी दशार्ते हैं, वहां अंधा युग के भारती के उन शब्दों के दर्शन होते हैं, जो आपको हाथ पकड़कर चिंतन तक ले जाते हैं। युद्ध पर चिंतन की आवश्यकता हमेशा रही है, हमेशा रहेगी। यह वाक्य लिखते हुए वह कवि मन बहुत व्यथित होता है, जो जंग तो खुद ही मसअला है एक, जंग क्या मसअलों का हल देगी कहने का हामी रहा है। यह सच है कि युद्ध होते रहेंगे लेकिन हमें इसे भी सच बनाना होगा कि हम युद्ध के विरुद्ध आदर्शों के लिए जीवटता नहीं मरने देंगे। हम कहेंगे-

तू और करता रहेगा तरह-तरह की जंग
मैं वहशतों से सौ फीसद निकल भी जाऊंगा
तू सरहदों को वतन मानता रहेगा दोस्त
इधर मैं प्यार में बेहद निकल भी जाऊंगा।

शेख मुजीब ने भुट्टो के उस इसरार को खारिज कर दिया था कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कुछ विशेष संबंध बने रहें ताकि पाकिस्तान की परिकल्पना और उसके आधार पर औचित्य का प्रश्न न खड़ा हो। यह प्रसंग भारती ने पाकिस्तान के प्रति घृणा से भरे एक भारतीय हृदय के साथ इस तरह लिखा कि मुजीब का इनकार एक सामूहिक भारतीय घृणा की निजी विजय रही हो। यहां भारती का कवि हृदय किस अवकाश पर चला गया एक सृजनधर्मी मन और मानवीय मूल्यों के पैरोकार भाव को यहां क्यों लकवा मार गया बाहरी स्तर पर लड़े जा रहे युद्ध को भीतर कैसे छेड़ दिया गया। कौन सा है वह उद्देश्य, लक्ष्य या धर्म, जिसके पीछे हम लड़ें कौन सी है वह नैतिकता, जो हमें आज भी परस्पर लड़ने की आज्ञा दे सकती है... क्यों नहीं समझता मनुष्य अपना स्वार्थ, जो सबका स्वार्थ हो तब जबकि मुक्तिका संग्राम संपन्न हो चुका था, मन और हृदय मुक्त क्यों नहीं हुआ तूफानों के बीच रिपोर्ताज में रांगेय राघव की तरह क्यों भारती ने भी इन मानुषिक और प्राकृतिक प्रश्नों को तवज्जो नहीं दी भारती की युद्ध यात्रा इन अर्थों में ही महत्वपूर्ण है कि यह चिन्तन के लिए उकसाने और बहस के लिए आमंत्रित करने वाली कृति है।

सीडीएस हेलिकॉप्टर दुर्घटना पर अटकलों से बचा जाए

जगदीश रत्तनानी

मामलों की जांच बंद दरवाजों के पीछे हो सकती है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किए बिना निश्चित रूप से रिपोर्ट सार्वजनिक जांच के लिए खुली होनी चाहिए। हादसों के पीछे उपकरणों की विफलता के साथ-साथ मानवीय त्रुटि के मामले पर भी सावधानीपूर्वक अध्ययन करने एवं खुली बहस की आवश्यकता है। चर्चा की समग्र दिशा यह सुनिश्चित करने की होनी चाहिए कि उच्च श्रेणी के प्रदर्शन, मुस्तैदी व कठोर परिश्रम की संस्कृति के साथ-साथ कड़े सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उन पर जोर दिया जाए। भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत की हेलीकॉप्टर हादसे में हुई मृत्यु अत्यंत दुखद है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र की ओर से उनके निधन पर शोक प्रकट करते हुए रावत के समृद्ध अनुभव एवं उनकी असाधारण सेवा को याद करते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की। रूस निर्मित एमआई-17-वी 5 हेलिकॉप्टर में सवार राष्ट्र के वरिष्ठतम रक्षा अधिकारी, उनकी पत्नी मधुलिका रावत व 12 अन्य लोगों की मौत इन परिस्थितियों में कई चिंताएं और प्रश्न उपस्थित करती है। इन चिंताओं में एक यह है कि वे एक ऐसे हेलिकॉप्टर में यात्रा कर रहे थे जो आधुनिकतम तकनीकों से लैस व अत्यंत सुरक्षित माना जाता है तथा जो भारत में वीवीआईपी आवागमन के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें बनाने वाली रूसी हेलीकाप्टर्स की एक सहायक कंपनी इन हेलिकॉप्टरों को उनकी श्रेणी में सबसे लोकप्रिय हेलीकॉप्टरों में से एक के रूप में वर्णित करती है। इसके निमार्ताओं ने अपनी वेबसाइट पर कहा है- लड़ाई की स्थितियों और संघर्ष क्षेत्रों में रूसी हेलीकॉप्टर्स के संचालन के एक पूर्ण आयामी विश्लेषण को शामिल कर इन हेलीकॉप्टरों का निर्माण किया गया है। इन हेलीकॉप्टरों की स्वीकार्यता और उच्च उड़ान क्षमताएं उन्हें दुनिया के सबसे लोकप्रिय रूस निर्मित हेलीकॉप्टर बनाते हैं। इसका मतलब यह है कि इनके उपयोग के साथ सुरक्षा की गारंटी भी थी।किसी भी निष्कर्ष या काल्पनिक सिद्धांतों पर पहुंचने के पहले यह तथ्य ध्यान में रखना चाहिए कि हादसे की जांच के लिए गठित कोर्ट ऑफ इंक्वायरी की आधिकारिक रिपोर्ट का इंतजार करना समझदारी होगी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ने पहले से ही दुर्घटना के कारणों पर अटकलें लगाना शुरू कर दी हैं। उनके सीमित विश्लेषण से कई बार एक निश्चित राजनीतिक अवधारणा बनती है जो जनता के मन में संदेह के बीज बोती है तथा एक पूर्ण व निष्पक्ष जांच के बारे में शंका पैदा करती हैं। सभी पक्षों को समझना चाहिए कि यह जगह, समय अथवा विषय, राजनैतिक खेल खेलने के लिए नहीं है। एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक पूर्व सैनिक सैन्य टोपी पहने हुए इस बात पर चर्चा करता है कि पिछली सरकारों ने क्या किया है तथा बाद में राजनीति व धर्म पर बात करते हुए सांप्रदायिक मुद्दों पर चला गया। दुर्घटना की समीक्षा करने या हादसे में मरने वालों की स्मृति का सम्मान करने का यह उपयुक्त तरीका नहीं है। जांच टीम के सामने अब बड़ी समस्या यह है कि एक नियमित उड़ान और सुरक्षित आकाश में दुर्घटना क्यों हुई, कैसे हुई, क्या हुआ आदि की जांच किस तरह करे; क्योंकि इस हादसे में अब कोई जीवित बचा नहीं है। दुर्घटना में एकमात्र बचे ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को बुरी तरह जली हुई स्थिति में अस्पताल में दाखिल किया गया था और उम्मीद थी कि उनके ठीक होने पर जांच टीम को महत्वपूर्ण सुराग मिल सकेंगे परन्तु बुधवार को बेंगलुरु के एयर फोर्स कमांड हॉस्पिटल में उनके निधन के साथ ही यह आशा भी खत्म हो गई है। यह दुर्घटना एक विशेष मामला है, एक वीवीआईपी दुर्घटना जिसमें सर्वोच्च पदाधिकारी, उनका परिवार और पूरी सुरक्षा डिटेल शामिल हैं। इसके लिए विशेष प्रबंधन एवं जांच की जरूरत होती है। इसे पूर्व में हुई अन्य दुर्घटनाओं के साथ जोड़ा नहीं जा सकता।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा रहा है कि भारत की अन्य रक्षा सेवाओं की तुलना में हवाई सुरक्षा का रिकॉर्ड कमजोर है। प्रशिक्षण उड़ानों तथा मिश्रित सामरिक मिशनों की कई दुर्घटनाएं संसद सहित विभिन्न मंचों पर चर्चा का विषय रही हैं। जून 2019 में रक्षा राज्य मंत्री श्रीपाद नाईक ने लोकसभा को बताया कि 2016-17 से 2019-20 के बीच दुर्घटनाओं में भारतीय वायु सेना के कुल 27 विमान नष्ट हुए। 20 जून 2019 तक के 11 मामलों में 524.64 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस लेख का विषय भारतीय वायु सेना व उसका सुरक्षा रिकॉर्ड है। हवाई उड़ानों में उच्च स्तर का जोखिम शामिल होता है। आम तौर पर जो चर्चा होती है उसके मुताबिक सामान्य रूप से अग्रिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्तियों और मशीनों के लिए सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा उपलब्ध नहीं है। इसका नेतृत्व की राजनीतिक प्रकृति से कुछ लेना-देना नहीं है। इसका संबंध जांच करने की उच्चस्तरीय मानकीकृत प्रक्रियाओं, प्रणालियों तथा कमियों को ढूंढ़ने व जांचने के तरीकों से है। कहने की जरूरत नहीं है कि यह मामला भारत की परिचालन तैयारी से जुड़ा हुआ है इसलिए सुरक्षा और रखरखाव का मुद्दा विलासिता नहीं बल्कि देश के विशाल रक्षा प्रतिष्ठान को चुस्त रखने के लिए आवश्यक निवेश का एक हिस्सा है। खतरे की बढ़ती आशंका को देखते हुए भारत द्वारा हासिल किए गए सैन्य हार्डवेयर की विविधता और बदलती प्रौद्योगिकी की दुनिया में तेजी से बढ़ती लागत को देखते हुए अद्यतन रखने की महती आवश्यकता है। 2011 की एक रिपोर्ट में जमीन पर खड़े विभिन्न हेलीकॉप्टरों (एयरक्रॉफ्ट्स ऑन ग्राऊंड) के अतिरिक्त कल-पुर्जो के बारे में एक उच्चस्तरीय टिप्पणी में कहा गया था कि यह देखा गया है कि हर यूनिट में आम तौर पर एक हेलीकॉप्टर कल-पुर्जो की कमी के कारण 6 महीने से अधिक समय से जमीन पर खड़ा है। यह इस बात का संकेत है कि आवश्यकतानुसार निर्धारित संख्या में हेलीकॉप्टर उड़ने के लिए तैयार स्थिति में नहीं हैं जिसके कारण यूनिट्स को सौंपी गई भूमिका का निर्वहन करने की उनकी भूमिका प्रभावित हो रही है।

भारतीय वायु सेना व सेना के अन्य अंगों को भी सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर नुकसान उठाना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि 2013 में डॉक्स में एक भारतीय पनडुब्बी आग लगने से डूबी थी जिसमें चालक दल के 18 सदस्यों की मौत हो गई थी। रूस में बनी उस पनडुब्बी में 80 मिलियन डॉलर खर्च कर जरूरी फेरबदल किए गए थे जिसके दो महीने बाद ही यह हादसा हुआ था। यह हाल के दिनों की सबसे गंभीर दुर्घटना थी, लेकिन यह केवल एक ही हादसा नहीं था। यह चौंकाने वाली बात हो सकती है कि 2007-08 और 2015-16 के बीच भारतीय नौसेना के जहाज और पनडुब्बियों में मुख्य रूप से आग, विस्फोट, बाढ़ आदि के कारण 38 दुर्घटनाएं हुईं। 2017 की आधिकारिक ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया था- इन दुर्घटनाओं के कारण दो नौसैनिक जहाजों और एक पनडुब्बी के अलावा जवानों की बहुमूल्य जिन्दगियों का नुकसान हुआ। भारतीय नौसेना के पास उसकी स्थापना के समय से ही सुरक्षा मुद्दों से निपटने के लिए कोई संस्थागत ढांचा नहीं है। इन घटनाओं और एपिसोड के परिदृश्य में काम करने की वर्तमान प्रथाओं व निवेश मानदंडों के बारे में कुछ सवाल किए जाने चाहिए। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि जब कोई हादसा होता है, कुछ गलत हो रहा हो तो एक खुली और अच्छी तरह से बहस के लिए अधिक डेटा व रिपोर्ट्स उपलब्ध कराए जाएं। सुरक्षा मामलों से समझौता किए बिना यह यथासंभव अधिक से अधिक मामलों में हो सकता है। मामलों की जांच बंद दरवाजों के पीछे हो सकती है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किए बिना निश्चित रूप से रिपोर्ट सार्वजनिक जांच के लिए खुली होनी चाहिए। हादसों के पीछे उपकरणों की विफलता के साथ-साथ मानवीय त्रुटि के मामले पर भी सावधानीपूर्वक अध्ययन करने एवं खुली बहस की आवश्यकता है। चर्चा की समग्र दिशा यह सुनिश्चित करने की होनी चाहिए कि उच्च श्रेणी के प्रदर्शन, मुस्तैदी व कठोर परिश्रम की संस्कृति के साथ-साथ कड़े सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उन पर जोर दिया जाए।

कामगार वर्ग भी झुका सकता है सरकार को!

अनिल जैन

सरकार की मगरूरी और उसके दमनचक्र का मुकाबला करते हुए संगठित और संकल्पित किसानों ने नजीर पेश की कि मौजूदा दौर में नव औपनिवेशिक शक्तियों से अपने हितों की, अपनी भावी पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा के लिए कैसे जूझा जाता है। उन्हें अच्छी तरह अहसास है कि अगर कॉरपोरेट और सत्ता के षड़यंत्रों का डट कर प्रतिकार नहीं गया, तो उनकी भावी पीढ़ियां हर तरह से गुलाम हो जाएंगी। एक साल से कुछ ज्यादा दिन तक चले किसान आंदोलन ने केंद्र सरकार और कुछ राज्य सरकारों के बहुआयामी दमनचक्र का जिस शिद्दत से मुकाबला करते हुए उन्हें अपने कदम पीछे खींचने को मजबूर किया है, वह अपने आप में ऐतिहासिक है और साथ ही केंद्र सरकार के तुगलकी फैसलों से आहत समाज के दूसरे वर्गों के लिए एक प्रेरक मिसाल भी। इस आंदोलन ने साबित किया है कि जब किसी संगठित और संकल्पित आंदोलित समूह का मकसद साफ हो, उसके नेतृत्व में चारित्रिक बल हो और आंदोलनकारियों में धीरज हो तो उसके सामने सत्ता को अपने कदम पीछे खींचने ही पड़ते हैं, खास कर ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में, जिनमें वोटों के खोने का डर किसी भी सत्तासीन राजनीतिक नेतृत्व के मन में सिहरन पैदा कर देता है। देश की खेती-किसानी से संबंधित तीन विवादास्पद कानूनों का रद्द होना बताता है कि देश की किसान शक्ति ने सरकार के मन में यह डर पैदा करने में कामयाबी हासिल की है।

किसानों के इस ऐतिहासिक आंदोलन के चलते पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने का ऐलान करना और फिर किसानों की बाकी मांगों को भी मान लेना बताता है कि सरकार किसान आंदोलन से बुरी तरह डरी हुई थी। पिछले महीने विभिन्न राज्यों में लोकसभा और विधानसभा की कुछ सीटों के लिए उपचुनाव के नतीजों को देख कर प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया था। उन्हें उम्मीद थी कि उनके इस ऐलान के बाद किसान अपना आंदोलन खत्म कर अपने-अपने घरों को लौट जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

किसानों ने तीन कानूनों की वापसी के ऐलान का तो स्वागत किया लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया कि वे सरकार की झांसेबाजी में फंसने को तैयार नहीं हैं। वे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी, बिजली कानून, किसानों पर कायम किए गए फर्जी मुकदमों की वापसी जैसे मुद्दों पर भी एक मुश्त फैसला चाहते थे। इसीलिए उन्होंने सरकार को बता दिया कि जब तक उनकी बाकी मांगों पर भी फैसला नहीं होगा तब तक वे अपना आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। इस बीच विधानसभा चुनाव वाले राज्यों खासकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में हो रही प्रधानमंत्री की रैलियों में तमाम सरकारी संसाधन झोंक देने के बावजूद अपेक्षित भीड़ नहीं जुटा पाने और विपक्षी दलों की रैलियों में उमड़ रही स्वतःस्फूर्त भीड़ ने भाजपा को उसकी राजनीतिक जमीन खिसकने का अहसास करा दिया। इसी अहसास ने मजबूत सरकार को किसानों की बाकी मांगें मानने के लिए भी मजबूर कर दिया।

इस किसान आंदोलन ने याद दिलाया है कि संसद जब आवारा या बदचलन होने लगती है तो सड़क उस पर अंकुश लगाने और उसे सही रास्ता दिखाने का काम करती है। किसानों की यह जीत न सिर्फ सरकार के खिलाफ बल्कि कॉरपोरेट घरानों की सर्वग्रासी और बेलगाम हवस के खिलाफ भी एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल होने का क्षण है, जिसके दूरगामी प्रभाव अवश्यम्भावी है। यह जीत रेलवे, दूरसंचार, बैंक, बीमा आदि तमाम सार्वजनिक और संगठित क्षेत्र के उन कामगार संगठनों के लिए एक शानदार नजीर और सबक है, जो प्रतिरोध की भाषा तो खूब बोलते हैं लेकिन कॉरपोरेट के शैतानी इरादों से लड़ने और उनके सामने चट्टान की तरह अड़ने का साहस और धैर्य नहीं दिखा पाते हैं। उनकी इसी कमजोरी की वजह से सरकार एक के बाद एक सार्वजनिक क्षेत्र के तमाम उपक्रम अपने चहेते कॉरपोरेट महाप्रभुओं के हवाले करती जा रही है।

पिछले साल संविधान दिवस (26 नवंबर) से शुरू हुआ और इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर) पर स्थगित हुआ किसानों का यह आंदोलन दुनिया के इतिहास में संभवतः इतना लंबा चलने वाला पहला ऐसा आंदोलन है, जो हर तरह की सरकारी और सरकार प्रायोजित गैरसरकारी हिंसा का सामना करते हुए भी पूरी तरह अहिंसक बना रहा। हालांकि इसको हिंसक बनाने के लिए सरकार की ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। तमाम तरह से उकसावे की कार्रवाई हुई है, लेकिन आंदोलनकारियों ने गांधी के सत्याग्रह का रास्ता नहीं छोड़ा है। यही नहीं, इस आंदोलन ने सांप्रदायिक और जातीय भाईचारे की भी अद्भुत मिसाल कायम की है, जिसे तोड़ने की सरकार की तमाम कोशिशें भी नाकाम रही हैं।

यह सब चलता रहा और इस दौरान ठंड, गरमी, बरसात और कोरोना महामारी का सामना करते हुए आंदोलन स्थलों पर करीब 800 किसानों की मौत हो गई। सरकार के मंत्री और सत्तारूढ़ दल के नेता उन किसानों की मौत को लेकर भी निष्ठुर बयान देते रहे, खिल्ली उड़ाते रहे। इसी के साथ सरकार की ओर से यह बात भी लगातार दोहराई जाती रही कि कानून किसी भी सूरत में वापस नहीं लिए जाएंगे। सरकार की मगरूरी और उसके दमनचक्र का मुकाबला करते हुए संगठित और संकल्पित किसानों ने नजीर पेश की कि मौजूदा दौर में नव औपनिवेशिक शक्तियों से अपने हितों की, अपनी

बीसीसीआई ने किया टीम इंडिया का ऐलान, यश ढल को सौंपी गई कप्तानी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय जूनियर चयन समिति ने 4 जनवरी से 5 फरवरी 2022 तक वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले आगामी आईसीसी अंडर-19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट के 14वें संस्करण में 16 टीमें वर्ल्ड कप में उतरेंगी। टूर्नामेंट में कुल 48 मैच खेले जाएंगे। दिल्ली के बल्लेबाज यश ढल को टीम का कप्तान बनाया गया है। आंध्र प्रदेश के एसके रशीद को उपकप्तान बनाया गया है। हरियाणा के दिनेश बाना और यूपी के आराध्य यादव को बतौर विकेटकीपर टीम में शामिल किया गया है। चयनकताओं

ने पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों को भी वर्ल्ड कप में भेजने का फैसला किया है। ऋषि रेड्डी, उदय सहारन, अंश गोसाई, अमृत राज उपाध्याय और पीएम सिंह राठौर स्टैंडबॉय के तौर पर टीम के साथ जाएंगे। भारत को ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड और युगांडा के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 15 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुयाना में करेगा और उसके बाद वह त्रिनिदाद और टोबैगो में 19 और 22 जनवरी को आयरलैंड और युगांडा से भिड़ेगा।

एमएस धोनी नहीं वीरेंद्र सहवाग थे चेन्नई सुपर किंग्स की पहली पसंद!, जब उरङ के पूर्व खिलाड़ी ने किया था 'थाला' के टीम में जुड़ने की पीछे की कहानी का खुलासा

भारत ने 4 बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता है। वो सबसे अधिक बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम है। उसने साल 2000, 2008, 2012 और 2018 में ये टूर्नामेंट जीता है। भारत 2016 में उपविजेता और न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले अंडर-19 वर्ल्ड कप में उपविजेता रही थी।

अंडर-19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

यश ढल (कप्तान), हरनूर सिंह, अंगकृष रघुवंशी, एसके रशीद (उप कप्तान), निशांत सिंधू, सिद्धार्थ यादव, अनीश्वर गौतम, दिनेश बाना (विकेटकीपर), राज अंगद बावा, मानव पारख, कौशल ताम्बे, आरएस हंगारेश्कर, वासु वत्स, विक्की ओस्तवाल, रविकुमार, गर्व सांगवान।

स्टैंडबाय खिलाड़ी : रिशित रेड्डी, उदय शरण, अंश गोसाई, अमृत राज उपाध्याय, पीएम सिंह राठौड़।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने लिया बड़ा फैसला

कोविड-10 के प्रसार को रोकने के लिए घरेलू मैचों को किया स्थगित

नई दिल्ली। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने भारत के साउथ अफ्रीका के दौरे को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। सीएसए ने देश में कोविड-19 के प्रसार की आशंका के मद्देनजर ऐहतियात के तौर पर देश की प्रमुख चार दिवसीय घरेलू टूर्नामेंट को रविवार को स्थगित करने का फैसला किया है। सीएसए ने रविवार को यह फैसला सेंचुरियन में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने से ठीक एक हफ्ते पहले किया है। भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर को तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी।

भारतीय टीम इस समय जोहानिसबर्ग में है और यहां प्रैक्टिस कर रही है। गौरतलब है कि साउथ अफ्रीका में पिछले कुछ सप्ताहों में कोविड-19 मामलों की संख्या में तेजी देखी गई है। सीएसए से जारी बयान के मुताबिक, 'कोविड-19 महामारी की नयी लहर और सुरक्षा उपायों के तहत मैचों के पांचवें दौर को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। यह मैच 16 से 19 दिसंबर (डिवीजन दो) और 19 से 22 दिसंबर (डिवीजन एक) के बीच होने वाले थे।'इन स्थगित मैचों को नए साल में खेला जाएगा। भारत को साउथ अफ्रीका दौरे में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के अलावा तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद 19 जनवरी से दोनों देशों के तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। भारत रोहित शर्मा की अगुवाई में ये सीरीज खेलेगी। वो चोट की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर है। भारत ने अभी तक वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान नहीं किया है। वो इस समय चोट से रिकवर करने के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी बेंगलुरु में रुके हुए हैं। राहुल द्रविड़ के टीम इंडिया का कोच बनने के बाद वीवीएस लक्ष्मण को नया अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी निगरानी में रोहित के साथ रवींद्र जडेजा भी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें भी चोट की वजह से साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम में शामिल नहीं किया गया है।

एडिलेड टेस्ट में इंग्लैंड पर हार का खतरा, ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए चाहिए 6 विकेट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी रविवार को चौथे दिन नौ विकेट पर 230 रन पर घोषित कर इंग्लैंड के सामने दूसरे डे-नाइट एशेज टेस्ट मैच जीतने के लिए 468 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रख दिया। इसका पीछा करते हुए इंग्लैंड ने स्टंप्स तक अपने चार विकेट 82 रन तक खो दिए। इंग्लैंड को अब एशेज सीरीज में दूसरा टेस्ट जीतने के लिए सोमवार को आखिरी दिन जीत के लिए 386 रन की जरूरत है जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया को सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने के लिए छह विकेट की दरकार है। मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरूआत खराब रही और ओपनर हसीब हमीद खाता खोले बिना दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर झाय रिचर्डसन का शिकार बने। रोरी बर्न्स और डेविड मलान ने दूसरे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। माइकल नासेर ने मलान को पगबाधा कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरी सफलता दिलाई। मलान ने 52 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 20 रन बनाए। रिचर्डसन ने बर्न्स को टीम के 70 के स्कोर पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। बर्न्स ने 95 गेंदों पर पांच चौकों के सहारे 34 रन बनाए। स्टंप्स से कुछ पहले मिशेल स्टार्क ने इंग्लिश कप्तान जो रूट को आउट कर इंग्लैंड को बड़ा झटका दे दिया। रूट ने 67 गेंदों में एक चौके की मदद से 24 रन बनाए। रूट का विकेट गिरते ही दिन का खेल समाप्त हो गया। स्टंप्स के समय बेन स्टोक्स 40 गेंदों में तीन रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने अपने कल के स्कोर एक विकेट पर 45 रन से आगे खेलना शुरू किया।

जो रूट ने गेंदबाजी में लहराया परचम, 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले स्टुअर्ट ब्रॉड को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की एशेज सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम के लिए इस दौरे पर कुछ भी अच्छा नहीं घट रहा है। मेहमान टीम पहला टेस्ट हारकर सीरीज में 0-1 से पीछे चल रही है और दूसरे टेस्ट में उसकी हालत काफी खराब है। ऑस्ट्रेलिया से मिले 468 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड टीम ने 100 से पहले ही अपने तीन विकेट गंवा ?दिए हैं'। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। केवल कप्तान जो रूट ही बल्लेबाजी में कुछ जौहर दिखा रहे हैं। दूसरे टेस्ट में जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड भी कुछ ज्यादा कमाल नहीं कर पाए। बल्लेबाजी के अलावा रूट गेंदबाजी में भी इंग्लैंड के लिए संकटमोचक बनकर उभर रहे हैं।

कप्तान जो रूट ने इस साल टेस्ट में ब्रॉड से ज्यादा विकेट लिए हैं। रूट के नाम इस साल टेस्ट क्रिकेट में अबतक 14 विकेट दर्ज हो चुके हैं। वहीं, इंग्लैंड के लिए टेस्ट में 500 से ज्यादा विकेट ले चुके ब्रॉड ने 2021 में अबतक 12 ही विकेट लिए हैं, जोकि रूट से दो विकेट कम है। हालांकि ब्रॉड ने इस साल रूट की तुलना में कम ही मैच खेले हैं। रूट ने एडिलेड में जारी दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में छह ओवर में एक मेडन रखते हुए 27 रन खर्च किए और इस दौरान उन्होंने दो खिलाड़ियों को आउट किया। पहली पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया था। ब्रॉड के नाम टेस्ट क्रिकेट में अबतक 524 विकेट है और वह इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में नौ विकेट पर 473 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी और इसके बाद उसने अपनी दूसरी पारी भी नौ विकेट पर 230 रन बनाकर घोषित की। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 236 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इंग्लैंड को अब मैच जीतने के लिए 468 रन का लक्ष्य मिला है। ऑस्ट्रेलिया के लिए उसकी दूसरी में ट्रेविस हेड के अलावा मार्नस लाबुशैन ने 51 और कैमरून ग्रीन ने नाबाद 33 रन बनाए।

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने चुनी साल 2021 की टी-20 टीम, रोहित शर्मा-विराट कोहली को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। साल 2021 अपने अंतिम पड़ाव पर है। इसके खत्म होने में बस दो हफ्ते बाकी है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने रविवार को साल 2021 के लिए अपनी टी-20 टीम चुनी। इस लिस्ट में कुछ बड़े नाम शामिल हैं और इसके साथ ही कुछ स्टार खिलाड़ी उनकी टीम में जगह पाने में नाकाम रहे। इसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली का नाम भी शामिल हैं। उन्होंने 2021 की जो टी-20 टीम चुनी है, उसमें भारत के 4 खिलाड़ियों को जगह मिली है पर इन दो दिग्गजों का नाम इसमें शामिल नहीं है। अपने यूट्यूब चैनल पर टीम की घोषणा करते हुए कनेरिया ने बताया कि उन्होंने जिन 12 खिलाड़ियों को चुना है। इनमें चार भारतीय, तीन पाकिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से दो-दो और न्यूजीलैंड से एक खिलाड़ी शामिल है।

कनेरिया ने पाकिस्तान के बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को अपनी टीम के ओपनरों के तौर पर चुना है। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर को चुना। कनेरिया ने चार ऑलराउडरों को अपनी टीम में जगह दी है। ऑस्ट्रेलिया के लियाम लिविंगस्टोन, मिचेल मार्श को मिडिल ऑर्डर में कनेरिया ने जगह दी है। इसके बाद रविंद्र जडेजा और अश्विन को उन्होंने अपनी टीमें जगह दी है। तेज गेंदबाजों के तौर पर उन्होंने शाहीन शाह अफरीदी, ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह को टीम में जगह दी है। एडम जाम्पा को स्पिनर के तौर पर टीम में जगह मिली है। ऋषभ पंत को उन्होंने 12 वें खिलाड़ी के तौर पर चुना। उन्होंने टी वर्ल्ड कप में मैन ऑफ द सीरीज जीतने वाले डेविड वॉर्नर और केएल राहुल को भी नहीं चुना।

एमएस धोनी नहीं वीरेंद्र सहवाग थे चेन्नई सुपर किंग्स की पहली पसंद!

जब सीएसके के पूर्व खिलाड़ी ने किया था 'थाला' के टीम में जुड़ने की पीछे की कहानी का खुलासा

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में चेन्नई सुपर किंग्स ने 4 बार आईपीएल का खिताब जीता है। आईपीएल 2020 के प्रदर्शन को छोड़ दिया तो धोनी की अगुवाई में हर आईपीएल के सीजन में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। धोनी को सीएसके ने पहली बार 6 करोड़ रुपये में खरीदा था। वो साल 2008 से ही उनके पंसदीदा खिलाड़ी रहे हैं। हर आईपीएल मेगा नीलामी से पहले उन्हें चेन्नई ने रिटेन रखा है। इंटरनेशन क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी वो टीम से जुड़े हैं। ये बात बहुत कम लोग जानते हैं कि टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सीएसके की पहली पंसद नहीं थे। उनकी पहली पसंद वीरेंद्र सहवाग थे, लेकिन योजनाओं को बदलना पड़ा। अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए, सीएसके के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने खुलासा किया था कि फ्रेंचाइजी ने 2008 में धोनी को नहीं बल्कि वीरेंद्र सहवाग को खरीदने का फैसला किया था। उन्होंने कहा,'सीएसके मैनेजमेंट ने (आईपीएल 2008 से पहले) सहवाग को चुनने का फैसला किया था, लेकिन सहवाग ने खुद कहा था कि उनकी परवरिश दिल्ली में हुई है। इसलिए उनका (दिल्ली डेयरडेविल्स के साथ) बेहतर संबंध होगा। मैनेजमेंट सहवाग के लिए राजी हो गया ये सोचकर कि उनसे बेहतर कौन होगा। फिर नीलामी हुई, और उन्होंने देखा कि कौन बेहतर खिलाड़ी है। इससे पहले भारत ने 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। और उसके बाद ही उन्होंने धोनी को साइन करने का फैसला किया। सहवाग ने अपना सारा क्रिकेट दिल्ली की टीम के लिए खेला था। इसलिए सहवाग ने नीलामी में हिस्सा नहीं लिया और वो दिल्ली डेयरडेविल्स में आइकन खिलाड़ी के रूप में शामिल हो गए। उस समय एक आइकन खिलाड़ी नीलामी में फ्रैंचाइजी के टॉप चयन की तुलना में 15 फीसदी अधिक वेतन का हकदार था।

सरपतहां ने जीती अमृत महोत्सव वॉलीबॉल प्रतियोगिता

अखंड भारत संदेश

भदोही। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल की ओर से आयोजित एक दिवसीय अमृत महोत्सव वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सरपतहां ने ऊंज को हराकर मैच जीत लिया। मुख्य अतिथि राहुल दुबे ने विजेता टीम को पुरस्कृत कर अमृत महोत्सव की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में विभाग की ओर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद झूरी सिंह, शीतल पाल, कर्नल अमर बहादुर के जीवन पर कहानियां सुनाई गईं। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। साथ ही नाटक का मंचन कर देश को सशक्त बनाने के लिए उपस्थित लोगों को संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में विजय कुमार सिंह, सीमा सिंह, सुभाष यादव, लेखराज,

अनिल कुमार, राजाराम पाल, श्यामबिहारी मौर्य, जीत नारायण यादव, रमेश पांडेय, जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में स्वच्छता अभियान के तहत ऊंज के सींकीचौरा में दिव्यांगजनों और 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ियों की दौड़ प्रतियोगिता कराकर पुरस्कार वितरित किया गया। ग्राम प्रधान मनोज ओझा ने प्रतिभागियों को स्वच्छता बनाए रखने, महामारी के गाइड लाइन का पालन करने का सुझाव दिया। इस मौके पर रामबाबू तिवारी, संतोष तिवारी, संजय, आशीष, संतलाल बिंद, विकास तिवारी, गुड्डू आदि मौजूद रहे।

सर्दी, खांसी, निमोनिया, कोल्ड डायरिया की चपेट में आ रहे बच्चे

भदोही। ठंड और गलन बढ़ने का ज्यादा असर पर बच्चों पर देखने को मिल रहा है। तापमान में लगातार गिरावट से गलन बढ़ गई है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही से बच्चे, बड़े, बुजुर्ग बीमार हो रहे हैं। मौसम में बदलाव के कारण सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी, कोल्ड डायरिया की चपेट में बच्चे ज्यादा आ रहे हैं। इसलिए चिकित्सकों ने मां व अभिभावकों को बच्चों की अच्छे से देखरेख करने की सलाह दी है। गलन बढ़ने से बच्चों के बीमार होकर सरकारी और निजी अस्पतालों में पहुंचने का सिलसिला तेज हुआ है। बच्चे मौसम में हुए बदलाव के कारण सर्दी, जुकाम, बुखार, कोल्ड डायरिया, निमोनिया की चपेट में आ रहे हैं। महाराजा चेतसिंह जिला अस्पताल में प्रतिदिन 20 से 25 बच्चे इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। कमोवेश यही हाल निजी अस्पतालों में भी है। महाराजा चेतसिंह जिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आरपी गुप्ता ने बताया कि सर्दियों में दिन और रात का तापमान लगातार गिर रहा है। इसकी वजह से बच्चे बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सर्दियों में बच्चों की इम्युनिटी सामान्य दिनों की अपेक्षा कुछ अधिक कमजोर हो जाती है। उसके चलते वे जरा सी लापरवाही पर बच्चों में सांस की बीमारी, सर्दी, खांसी, निमोनिया कोल्ड डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। प्रतिदिन जिला अस्पताल में बीमारी से पीड़ित 20 से 25 बच्चों का इलाज किया जा रहा है। बाल रोग विशेष डॉ. विनोद शर्मा ने बताया है कि इस मौसम 50 से 60 प्रतिशत बच्चे कोल्ड डायरिया, सांस की बीमारी, निमोनिया, सर्दी, जुकाम, बुखार से पीड़ित देखे जा रहे हैं।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद शर्मा ने बताया कि मौसम में परिवर्तन से कोल्ड डायरिया, सांस की बीमारी, निमोनिया, सर्दी, जुकाम, खांसी के मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। इस मौसम में बच्चों के खान-पान व रहन सहन पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों को सुझाव दिया कि बच्चों को सुबह बेड से उठकर सीधे बाहर न जानें दें। गुनगुना पानी पिलाएं, गर्म कपड़े पहनाएं। ठंड चीजों से परहेज करना चाहिए।

मैनपुरी मे साइबर टीम दो युवको को पकडा

अखंड भारत संदेश

मैनपुरी। मैनपुरी मे ऑनलाइन फ्रॉड करने वाला एक गिरोह हाथ लगा फर्जी सिम से लोगो की जमा पूंजी हड़पने वाले गिरोह को सायबर सेल प्रभारी अमर बहादुर सिंह के सफल पर्वेक्षम मे सायबर से थाना को मुखबिर से सूचना मिली कि फर्जी सिम कार्ड बेचने वाले दो सातिर अभियुक्त विकास पुत्र रामजीवन निवासी चोडा थाना लहरपुर जिला सीतापुर व दूसरा लोकेस पुत्र रमाकांत निवासी मुगलपुर थाना लहरपुर जिला सीतापुर को गिरफ्तार किया गया । इनके कब्जे मे 169सिम कार्ड प्री एक्टिवेट सिम कार्ड ओर कई आधार कार्ड व वायोमेट्रिक

मशीन बरामद हुई। पकडे गये अभियुक्तो ने बताया कि वह सीतापुर व लखीमपुर के डिस्ट्रीब्यूटरो से सिम खरीद कर बेचते हे ओर सिम को एक्टिवेट कर दिया जाता हे इन सारी सिमो को लोगो के खाते मे लगाकर फ्रॉड करने वाले लडको को हम वेचते हे ये सिम हम लोग दिल्ली ,बिहार, झारखंड व उत्तर प्रदेश के कई जिलो मे कोरियर के मध्यम से सप्लाई करते हे हम ये इस सिम को 200मे खरीद कर 1500से 2000तक मे बेचते हे आज हम लोग ये सिम मोहित विशाल व शिवम शर्मा को देने के लिए आये थे। हम लोग ऑनलाईन विज्ञापन फेसबुक व व्हाट्सएप के जरिए से लोगो तक पहुचते थे बताया कि हम लोग अलग अलग शहरो मे जाकर किराये का कमरा लेकर महीने तक ही रहते उसके बाद कमरा बदल देते ताकि कोई सक न कर सके ।।

विदेशों से होकर आए 112 लोगों की स्वास्थ्य विभाग कर रहा तलाश

भदोही। विदेशों से आए 14 नए लोगों की सूची स्वास्थ्य विभाग को मिली है। अब तक कुल 191 लोग विदेशों से आ चुके हैं। इसमें से 142 लोगों को ट्रेस किया जा चुका है। जिसमें से मात्र 79 लोगों की आरटीपीसीआर जांच की गई है। जिसमें करीब 60 लोगों की जांच रिपोट निगेटिव आई है। बचे रह गए 112 लोगों की अभी भी स्वास्थ्य विभाग तलाश कर रहा है। इस संबंध में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित दुबे ने बताया है कि 14 नए लोगों की लिस्ट मिलने से अब तक कुल 191 लोग बाहर के देशों से आ चुके हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग भी विदेश से होकर आ रहे हैं, उनकी नियमित जांच कराई जा रही है।

समाधान दिवस में एसडीएम ने फरियादियों की सुनी समस्याएं

पीड़ितों को न्याय दिलाना मेरी प्राथमिकताः एसडीएम

अखंड भारत संदेश

मैनपुरी , कुरावली। तहसील के ब्लाक के सभागार कक्ष में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से एसडीएम नरेंद्र सिंह यादव ने मौजूद रहकर के पीड़ितों की समस्याओं को सुना। तहसील दिवस के मौके पर राजस्व समन्धित 5, थाना कुरावली से 2, थाना औंछा से 2, आपूर्ति विभाग से 2, खण्ड विकास अधिकारी से समन्धित 1 कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, शेष शिकायतों को एसडीएम ने संबंधित अधिकारी को प्रेषित करते हुए जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कोई भी शिकायत लंबित न रहे। इस मौके पर तहसीलदार अभय नारायण पांडेय, नायब तहसीलदार हेरेन्स कर्दम, एसडीओ संजीव यादव, थाना कुरावली से उपनिरीक्षक मुकुल कुमार, एबीएसए शैलेंद्र कुमार, यतेंद्र कुमार लिपिक, कानूनगो व समस्त लेखपाल मौजूद रहे।

अब महाराष्ट्र के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने सड़कों को हेमा मालिनी की गाल जैसा बताया, महिला आयोग ने कहा- मांगो माफी

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ शिवसेना नेता गुलाबराव पाटिल अपने विवादास्पद बयान के चलते सुर्खियों में आ गए हैं। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र जलगांव जिले की सड़कों की तुलना हेमामालिनी के गालों से कर डाली। उनके इस बयान से खफा राज्य महिला आयोग ने गुलाबराव पाटिल को माफी मांगने के लिए कहा है। महाराष्ट्र के मंत्री के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने यह बयान हाल ही में बोधव नगर पंचायत में चुनावी मीटिंग को संबोधित करते हुए दिया था। अपने भाषण के दौरान पाटिल अपने विरोधियों से उनके विधानसभा का दौरा करने के लिए और वहां की सड़कों की क्वॉलिटी देखने की बात कर रहे हैं।इस दौरान उन्होंने जलगांव से कई बार के विधायक रहे भाजपा नेता एकनाथ खड़से को निशाने पर लिया। महाराष्ट्र सरकार में जलापूर्ति और

स्वच्छता मंत्री पाटिल ने कहाकि जो तीस साल तक विधायक रहे आएं और मेरे विधानसभा की सड़कों को देखें। अगर यह सड़क हेमामालिनी के गाल सरीखी नहीं हुईं तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।

वहीं गुलाबराव पाटिल इस बयान के बाद राज्य महिला आयोग के निशाने पर आ गए हैं। महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकांकर ने इसे महिला आत्मसम्मान से जोड़ते हुए मंत्री को चेतावनी दे डाली। साथ ही उन्होंने यह भी कहाकि अगर वह सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी तो मंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चाकांकर ने एक वीडियो बयान जारी कर कहाकि आयोग ने पाटिल के बयान को संज्ञान में लिया है।

पश्चिम बंगाल के वर्धमान में तीन किसानों ने की आत्महत्या

वर्धमान। पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले में पिछले दो दिनों में तीन किसान मृत पाए गए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक किसानों के परिवारों ने दावा किया कि चक्रवात जवाद के कारण बेमौसम बारिश से आलू और धान की फसलें खराब होने के बाद उन्होंने आत्महत्या की है। जिला प्रशासन घटनाओं की जांच कर रहा है।

दो किसान शनिवार को रैना प्रथम मंडल में देबीपुर और बंतीर गांवों में अपने घरों में फंदे से लटके पाए गए। एक अन्य किसान कलना द्वितीय मंडल के बिरुहा गांव में शुक्रवार को अपने घर में फंदे से लटका पाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए वर्धमान मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेजा गया है। जिला मजिस्ट्रेट प्रियंका सिंगला ने कहा कि घटनाओं की जांच चल रही है।

गोवा में पीएम ने मनोहर परिंकर को किया याद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गोवा पहुंचे हुए हैं। गोवा मुक्ति दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर परिंकर को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि मनोहर परिंकर के चरित्र से देश ने देखा कि गोवा के लोग कितने ईमानदार, प्रतिभाशाली और मेहनती हैं। उनके जीवन के दौरान, हमने देखा कि कोई अपनी अंतिम सांस तक अपने राज्य, अपने लोगों के प्रति कैसे समर्पित रह सकता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि मनोहर परिंकर न केवल गोवा को विकास की नई ऊंचाई तक पहुंचाया, बल्कि गोवा की क्षमता का भी विस्तार किया। गोवा के लोग कितने ईमानदार, प्रतिभावान और मेहनती होते हैं, देश गोवा के चरित्र को मनोहर जी के भीतर देखता था। पीएम मोदी ने कहा कि गोवा मुक्ति विमोचन समिति के सत्याग्रह में 31 सत्याग्रहियों को अपने प्राण गंवाने पड़े थे।पीएम ने कहा आज मैं इस अवसर पर ये भी कहूंगा कि अगर

सरदार पटेल साहब कुछ वर्ष और जीवित रहते तो गोवा को अपनी मुक्ति के लिए इतना इंतजार नहीं करना पड़ता। पीएम मोदी ने आगे कहा गोवा सुशासन, प्रति व्यक्ति आय और कई अन्य मामलों में शीर्ष पर है। मैं गोवा की सभी पात्र आबादी को पहली खुराक का शत-प्रतिशत डोज लेने के लिए लिए बधाई देना चाहता हूं। आज मैं कह सकता हूं कि प्रमोद सावंत जी गोवा के विकास के लिए बड़े विजन के साथ काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि गोवा एक ऐसे समय में पुर्तगाल के अधीन गया था जब देश के दूसरे बड़े भूभाग में मुगलों की सल्तनत थी। उसके बाद कितने ही सियासी तूफान इस देश ने देखे लेकिन समय और सत्ताओं की उठापटक के बीच सदियों की दूरियों के बाद भी न गोवा अपनी भारतीयता को भूला न भारत अपने गोवा को भूला। उन्होंने कहा भारत एक ऐसा भाव है जहां राष्ट्र स्व से ऊपर होता है, सर्वोपरि होता है। जहां एक ही मंत्र होता है- राष्ट्र प्रथम। जहां एक ही संकल्प होता है- एक भारत, श्रेष्ठ भारत।

समाज को आपस में लड़वाने की साजिश, स्वर्ण मंदिर में बेअदबी की कोशिश पर आरएसएस

नई दिल्ली। पंजाब के अमृतसर में सिखों के पवित्र स्थल स्वर्ण मंदिर में शनिवार शाम बेदअदबी की कोशिश को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने समाज को लड़वाने की साजिश बताया है। आरएसएस ने इस घटना की निंदा करते हुए साजिश में शामिल लोगों को सख्त सजा देने की मांग की है। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को जारी एक बयान में कहा, स्वर्ण मंदिर में घटित श्री गुरुग्रंथ साहिब की अवमानना की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसकी घोर निंदा करता है। श्री गुरुग्रंथ साहिब व श्री गुरु परंपरा हम सबकी साझी विरासत और श्रद्धा का विषय है। भारत की ज्ञान निधि का भंडार है। उन्होंने आगे कहा, समाज को आपस में लड़वाने वाली ताकतें इसका षड्यंत्र कर रही हैं और करती रहती हैं। ऐसे षड्यंत्रकारियों का पदार्फाश करके उन्हें कड़ा दंड देना चाहिए और समाज को ऐसी घटनाओं के कारण आपसी सद्भाव में कोई बाधा नहीं आने देनी चाहिए।

केरल में नेताओं की मौत पर सियासत, भाजपा और एसडीपीआई का एक-दूसरे पर आरोप

नई दिल्ली। केरल में नेताओं की मौत पर सियासत शुरू हो गई है। भाजपा और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने एक-दूसरे पर अपने नेताओं की हत्या का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि शनिवार को एसडीपीआई केरल के राज्य सचिव केएस शान के ऊपर अज्ञात लोगों ने अलपुझा में हमला किया था। हादसे में घायल शान की बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के एक दिन बाद भाजपा के ओबीसी मोर्चा के सचिव रेंजिथ श्रीनिवासन के घर पर अज्ञात लोगों ने हमलाकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। इन दोनों घटनाओं के बाद अलापुझा में दो दिनों के लिए धारा 144 लगा दी गई है। इन घटनाओं पर अब भाजपा की प्रतिक्रिया आई है। केरल भाजपा अध्यक्ष के सुरेंद्रन

ने रेंजिथ पर हमले के लिए पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के ऊपर आरोप लगाया है। यह संस्था एसडीपीआई का हिस्सा है, जिसपर बैन लगाया जा चुका है।इंडिया टुडे के मुताबिक के सुरेंद्रन ने ट्वीट में लिखा है कि वह रेंजिथ की हत्या का पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने लिखा है कि रेंजिथ ने 2016 में भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था। उन्होंने यह भी लिखा है कि पीएफआई ने तीन भाजपा-आरएसएस नेताओं की हत्या कर चुका है। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी इस मामले को लेकर ट्वीट किया है। संबित ने लिखा है कि इस तस्वीर में जिस मुस्कुराते हुए शख्स को आप देख रहे हैं अब वह नहीं मुस्कुरा रहा है। उन्होंने लेफ्ट पर सवाल उठाते हुए आगे लिखा है कि जहां लेफ्ट होता है, वहां इंसानियत नहीं रह जाती है।

वहीं भाजपा नेताओं ने प्रदेश में बिगड़ते लॉ एंड ऑर्डर के लिए सत्ताधारी एलडीएफ पर भी सवाल उठाए हैं। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन को टैग करते हुए लिखा है कि गुंडाराज ने एक और कीमती जान ले ली। उन्होंने आगे लिखा है कि रेंजिथ श्रीवासन को एसडीपीआई के गुंडों ने पमार डाला। सीपीआईएम शासित केरल अब मौत का क्षेत्र बनता जा रहा है। उन्होंने आगे लिखा शर्म आती है कि यहां अब न तो लॉ एंड ऑर्डर रह गया है और न ही आम लोगों के लिए सुरक्षा।

बंगालः कोलकाता निगम चुनाव में हिंसा, देसी बम फटने से एक घायल, वोटिंग की रफ्तार भी रही सुस्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नगर निकाय चुनावों पर भी हिंसा की छाया नजर आ रही है। आज कोलकाता म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन लिए वोटिंग के दौरान छिटपुट हिंसा के साथ बमबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस के मुताबिक कोलकाता के उत्तरी-पूर्वी इलाके में बम फेंका गया है, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया है। स्थानीय लोगों ने एक अन्य जगह पर बम फेंके जाने की बात कही है, हालांकि पुलिस की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहाकि शांतिपूर्ण मतदान अति आवश्यक है। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में मतदाता के मन में किसी तरह का भय नहीं होना चाहिए। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहाकि राज्य चुनाव आयुक्त सौरभ दास को उन्होंने दो बार बुलाया। मैंने उन्हें यह बात भी समझाई थी कि मतदान भयमुक्त हो। शांतिपूर्ण तरीके से हो और प्रशासनिक दखलअंदाजी इसमें न हो। पुलिस के मुताबिक यह घटना केएमसी के टकी ब्वॉयज स्कूल में वार्ड नंबर 36 में हुई है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस ने मामले में एक-दूसरे के ऊपर आरोप प्रत्यारोप लगाए हैं। दोनों दलों का कहना है कि उन्होंने बाहरी लोगों को बुलाकर यह स्थिति उत्पन्न की है। पूर्वी उपनगरीय खंड के डिप्टी पुलिस कमिश्नर प्रियब्रत रॉय ने घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बम फेंकने की यह घटना पोलिंग स्टेशन से करीब 200 मीटर की दूरी पर हुई। प्रियब्रत रॉय के मुताबिक हालांकि इसकी वजह से चुनाव प्रक्रिया पर किसी तरह का असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहाकि हमने मतदाताओं से अपील की है कि वो बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इस घटना के दौरान वहां से गुजर रहा एक अन्य बुजुर्ग भी घायल हुआ है। हालांकि 11.30 बजे तक पुलिस इस बात को पुष्ट नहीं कर पाई थी।

कौन कहां से लड़ेगा यूपी चुनाव, अअढ ने जारी की 30 और संभावित प्रत्याशियों की सूची

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने संभावित प्रत्याशियों की तीसरी सूची रविवार को जारी कर दी। तीसरी सूची में 30 संभावित प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है। पार्टी ने इन्हें विधानसभा प्रभारी का नाम दिया है। इस सूची के साथ ही पार्टी के कुल घोषित संभावित प्रत्याशियों की संख्या 200 हो गई है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ट्वीट करके यह जानकारी साझा की है। सूची में पिछड़ा वर्ग को सर्वाधिक प्रतिनिधित्व दिया गया है। कुल 30 में से 11 पछिड़ा वर्ग के लोगों को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है।सूची में नौ ब्राह्मण, पांच अनुसूचित जाति, एक मुस्लिम, एक राजपूत व एक कायस्थ को भी संभावित प्रत्याशी घोषित किया गया है।इसमें अयोध्या के रुदौली से मनोज कुमार मिश्र, उन्नाव के बांगरमऊ से सत्येंद्र यादव, कानपुर के कल्याणपुर से अनुज शुक्ल व लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी से रविकांत तिवारी पर पार्टी ने भरोसा जताया है। एक-एक संभावित प्रत्याशी मुस्लिम, राजपूत, कायस्थ, मीणा व त्यागी वर्ग से हैं।

प्रदेश प्रभारी ने बताया कि शेष विधानसभा प्रभारियों का ऐलान भी जल्द कर दिया जाएगा। पार्टी यह चुनाव मजबूती से लड़ेगी। कार्यकर्ता घर-घर जाकर केजरीवाल मॉडल की चर्चा कर रहे हैं, जिस पर जनता का आशीर्वाद पार्टी को लगातार प्राप्त हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने बताया कि संभावित प्रत्याशियों पर अपने वधिानसभा क्षेत्र में पार्टी की रीति-नीतिको जन-जन तक ले जाने की जिम्मेदारी होगी। साथ ही पार्टी के हर अभियान को सफलतापूर्वक अपने क्षेत्र में संचालित करना होगा। अगर वधिानसभा प्रभारी इसमें कामयाब रहे तो नशिचित ही इन्हें पार्टी की ओर से वधिानसभा चुनाव में बतौर प्रत्याशी उतारा जाएगा। प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है।

यूपी में 30 से ज्यादा वकील बने भाजपाई, मायावती ने दिलाई सदस्यता

लखनऊ। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र की मौजूदगी में रविवार को 30 से अधिक अधिवक्ताओं ने मायावती के नेतृत्व में आस्था जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बसपा महासचिव ने कहा कि अधिवक्ता समाज हमेशा से बसपा के साथ रहा है। उन्होंने पार्टी में आने वालों का स्वागत किया।बसपा के महानगर अध्यक्ष पंकज कुमार सक्सेना ने सभी अधिवक्ताओं को बसपा में शामिल कराया। उन्होंने बताया कि बसपा की ताकत लगातार बढ़ रही है। पार्टी की सदस्यता लेने वालों में महेश चंद्र वर्मा, ललित तिवारी, सुंदर लाल, राजकुमार वर्मा, सुरेश प्रसाद, ज्ञान प्रकाश, उमेश पाल, सर्वेश कुमार, ज्ञानेंद्र कुमार सिंह, अजय कुमार, महेश चंद्र, मुन्ना लाल पाल, जय कुमार, अशोक कुमार, शैलेंद्र सिंह, सुरेंद्र लाल, श्रीपाल, महेंद्र कुमार राव, राजेश कुमार पाल, नरेंद्र गौतम, नीतिश यादव, हिमांशू शुक्ला, रमेश चंद्र, नंदनी गौतम आदि शामिल थे।

अखिलेश ने बंद किया था 15 आतंकियों का केस, बाद में 4 को हुई फांसी, बाकी को उम्रकैदः जेपी नड्डा

अंबेडकरनगर। योगी सरकार को जनता के विश्वास पर खरा उतरने का दावा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जय प्रकाश नड्डा ने कहा कि पिछले करीब साढ़े चार सालों में यूपी बीमारू राज्य की छवि से बाहर आकर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। जन विश्वास यात्रा का शुभारंभ करने पहुंचे नड्डा ने रविवार को कहा कि भाजपा की फितरत वादों पर खरा उतरना और सिद्धांतों पर अडिग रहने की है और पार्टी की यही अदा जनता को रास आ चुकी है जिसका उदाहरण भाजपा की जनसभाओं में जनसैलाब का उमड़ना है जबकि विपक्ष के नेता बमुश्किल इतने लोग जुटा पा रहे है जितने भाजपा के छोटे मोटे कार्यकर्ता सम्मेलन में होते हैं। उन्होंने अंबेडकरनगर को प्रभु श्री राम की धरती बताया और जय श्री राम का जयकारा भी लगवाया। उन्होंने कहा

कि वह श्री राम की धरती और डॉ. राम मनोहर लोहिया की जन्म भूमि को नमन करते है। उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित भीड़ इस बात की गवाह है कि देश और यूपी में भाजपा ने जनता का भरपूर विश्वास हासिल किया है। इसी जन वशि्वास के जरिए यूपी में भाजपा दोबारा सत्ता हासिल करेगी। इस मौके पर उनके साथ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कौशल किशोर सांसद लल्लू सिंह समेत कई नेता मौजूद थे। जेपी नड्डा ने कहा कि जो दूसरे दलों में जनसभाएं होती हैं, वह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन के बराबर की भीड़ होती है।

भाजपा अध्यक्ष ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा, अखिलेश यादव ने 15 आतंकियों के खिलाफ केस वापस ले लिया। बाद में जब मामला दोबारा खुला तो 15 में से 4 आर्तकियों को फांसी पर लटका दिया गया और बाकी को उम्रकैद की सजा मिली। वह 'रक्षक' था या 'भक्षक' उन्हें 'आराम' और योगी जी को 'काम' दें। उन्होंने आगे कहा, 6वीं जन विश्वास यात्रा, पूरे उत्तर प्रदेश में, जनता के विश्वास के लिए 403 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 4 करोड़ नागरिकों के साथ सीधा संपर्क बनाएगी। भाजपा की जनसभा में उपस्थित भीड़ ऐतिहासिक जनसैलाब है। जनविश्वास यात्रायें मथुरा, झांसी, बिजनौर, बलिया और गाजीपुर में भी निकल रही है। योगी मथुरा में राजनाथ सिंह झांसी में, बिजनौर में नितिन गडकरी, शिवराज सिंह बलिया में और गाजीपुर में स्मृति ईरानी है और उन्हें खुद अवध की धरती पर आने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा, प्रदेश में छह स्थानों से शुरू हुई यह जन विश्वास यात्रा प्रदेश के 403 विधानसभा में होकर लगभग चार करोड़ जनता के साथ सीधा संपर्क करते हुए जनता का विश्वास प्राप्त करेगी।

पाकिस्तान हो गया दिवालिया, जनता को बरगला रही इमरान सरकार... टैक्स एजेंसी पूर्व प्रमुख के दावे से खुली पोल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की टैक्स एजेंसी के पूर्व प्रमुख शब्बर जैदी ने कहा है कि देश दिवालिया हो गया है और सरकार देश की समृद्धि के बारे में झूठ बोल रही है।

अखंड भारत संदेश के लिए (स्वामी श्री योगी सत्यम योग सत्संग समिति) क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूसी प्रयागराज उत्तर प्रदेश 211019 से प्रकाशित एवं विपिन इंटरप्राइजेज 1/6C माधवकुंज, कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम योग सत्संग समिति पी.आर.बी .एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदाई। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

UPHIN **29506**

उन्होंने ये बातें हमदर्द विश्वविद्यालय में देश की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए कही। दरअसल, पाकिस्तान की टैक्स एजेंसी फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के पूर्व प्रमुख शब्बर जैदी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बयान बीते बुधवार को हमदर्द विश्वविद्यालय में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए का है। फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि देश बेहद चिंताजनक स्थिति में है। सरकार जो बातें कह रही है कि देश समृद्धि कर रहा है, वो सरासर गलत और झूठ है। वायरल वीडियो में जैदी कह रहे हैं, ₹हम कहते रहते हैं कि सब कुछ अच्छा है, देश अच्छा चल रहा है, हमने बड़ी सफलता हासिल की है और हम तबदीली (परिवर्तन) लाए हैं लेकिन यह गलत है। मेरे विचार में देश इस समय दिवालिया है और ये सरकार के लिए चिंता का विषय है।₹ जैदी आगे कहते हैं, ₹यह बेहतर है कि आप पहले तय करें कि हम दिवालिया हो गए हैं और हमें यह कहने की तुलना में आगे बढ़ना है कि सब कुछ ठीक चल रहा है और मैं यह और वह करूंगा। ये सभी चीजें लोगों को धोखा देने के लिए हैं। ल हो गया है। हालांकि शुक्रवार को, जैदी ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि अपनी टिप्पणियों पर सफाई दी। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, ₹मैंने विवि में अपना भाषण करीब डेढ़ घंटे तक बोला था, लेकिन बीच में तीन मिनट का वीडियो बनाकर उससे छेड़छाड़ की कोशिश की गई है। सभी से अनुरोध है कि मेरा पूरा भाषण सुनने के बाद ही प्रतिक्रिया दें। गौरतलब है कि जैदी के बयान ने पाकिस्तान की चरममराती अर्थव्यवस्था की पोल खोल दी है।

समुद्र में श्रीलंकाई नौसेना की हिमाकत, 43 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने देश के जलक्षेत्र में अवैध रूप से छली पकड़ने के आरोप में 43 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और छह नौकाओं को जब्त किया है। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। श्रीलंका की नौसेना ने शनिवार को जाफना में डेल्फ्ट द्वीप के दक्षिण पूर्व समुद्री क्षेत्र में इन मछुआरों को गिरफ्तार किया। श्रीलंका की नौसेना ने एक बयान में कहा, 18 दिसंबर 2021 की रात को जाफना के डेल्फ्ट द्वीप के दक्षिण-पूर्वी समुद्री क्षेत्र में नौसेना द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान में श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के लिए मौजूद छह भारतीय नौकाओं को जब्त कर लिया गया, जिसमें 43 भारतीय मछुआरे सवार थे। उत्तरी नौसेना कमान से जुड़े 04वें फास्ट अटैक क्राफ्ट फ्लोटिला (4 एफएएफ) के फास्ट अटैक क्राफ्ट ने ये गिरफ्तारियां कीं।

ब्रिटेन में असली रूप दिखाने लगा ओमिक्रॉन, एक दिन में सामने आए 10 हजार से अधिक केस

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के एक दिन में 10000 से अधिक मामले सामने आए हैं जोकि अब तक इस वैरिएंट के दैनिक मामलों की सर्वाधिक संख्या है। ब्रिटेन में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 90,000 से अधिक नए मामले दर्ज किए गए। ब्रिटिश स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) ने शनिवार को ओमिक्रॉन वैरिएंट के 10,059 नए मामलों की पुष्टि की है जोकि शुक्रवार को इस वैरिएंट के सामने आए 3,201 मामलों से तीन गुना से अधिक संख्या है। इसके साथ ही ब्रिटेन में अब तक ओमिक्रॉन के कुल 24,968 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ब्रिटेन में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 90,418 नए मामले सामने आए ,जबकि 125 मरीजों ने इस घातक वायरस के कारण दम तोड़ दिया। वहीं,

देश में वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से संक्रमित सात मरीजों की मौत हो चुकी है।

ओमिक्रॉन के मामलों की बढ़ती संख्या के चलते सरकार द्वारा सख्त लॉकडाउन नियमों को लागू करने की योजना संबंधी रिपोर्ट का हवाला देते हुए ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद ने कहा, 'हमने पूर्व में देखा है कि सरकार ने किस तरह महामारी का मुकाबला किया है। हम जो भी जरूरी होगा, वो करेंगे। हालांकि, सरकार कोई भी कदम आंकड़ों पर आधारित होगा। हम आंकड़ों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और इस पर वैज्ञानिकों के साथ चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमने पिछले कुछ दिनों में ओमिक्रॉन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी है, जिसे लेकर मैं भयभीत हूं। हालांकि, पिछले साल की तुलना में इस साल अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या कम है।